शत्रुओ के फाटकों पर अधिकार करना

सब को शुभ प्रातः। और इस प्रातः आराधनालय में फिर से आकर प्रसन्नता है, आज बीमार लोगों के प्रार्थना करने के लिए। यह अक्सर हम भीतर आने का यत्न करते हैं, बहुत सी बार, और—और विभिन्न स्थानों से आए लोगों के लिए प्रार्थना, प्रार्थना करने के लिए।

और अब हम बहुत ही जल्द छोड़ रहे हैं, अब, कैलिफोर्निया और पश्चिमी तट की सभाओं के लिए। और निश्चय ही हम आपकी प्रार्थनाओं के लिए याचना करते हैं कि स्वर्ग का परमेश्वर हम पर वहां अनुग्रहकारी होगा और हमें महान सेवाएं देगा।

कल या पिछली रात्रि बल्कि देर, भीतर आया। और कल उसमें से एक था... ठीक है, बीते परसों और बीते कल मेरे जीवन का एक लाल अक्षर वाला दिन था। वहां, मैं जानता हूं वहां कम से कम इस भवन में दो या तीन लोग थे, जिन्होंने कल प्रभु के आगमन की गवाही दी। और एक आश्चर्यजनक बात घटित हुई, जिसके लिए आज प्रातः बताने के लिए मेरे पास समय नहीं है। परंतु हो सकता है अगले रविवार प्रातः, इससे पहले हम छोड़े संदेश में, मेरे पास समय हो सकता है कि—कि मैं आपको बताऊं। यदि प्रभु चाह रहा है, तो मैं कम से कम रविवार प्रातः रोगियों के लिए प्रार्थना करने करने आऊंगा। यदि संभव हुआ तो सेंट जोस सभाओं के लिए सेन जोस कैलीफोर्निया के लिए दोपहर के लगभग निकलेंगे। और वहां पश्चिमी किनारे पर आपके कुछ लोग वहां आसपास हो, जो कि हम विश्वास करते हैं, कि वह वह घड़ी होगी जिसकी मैं लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहा हूं, कि आने वाली सेवकाई में बदलाव होगा। और यह इतने समीप है, मैंने सोचा कि यह बीते कल में घटित होने जा रही थी। और मैं विश्वास करता हूं कि यह समीप ही होगा, और यह किसी भी बात से इतनी अलग आगे होगा जो कि हमने कभी देखा या सुना नहीं है, अभी तक। अब आपको याद है, यह **यहोवा यों कहता है** है। समझे? इसलिए किसी भी समय हम इसकी आशा करते है।

और हमें प्रदर्शनी के मैदानों में सभाएं करनी है। मैं विश्वास करता हूं कि यह सही है, जीन है कि नहीं? सेन जोस कैलीफोर्निया में प्रदर्शनी मैदान में।

और यह दस दिन की सभाएं होगी 20 से आरंभ होकर 29वी, सेन जोस में—में। अब केवल हमें स्मरण रखें और हमारे लिए प्रार्थना करें।

अब हमारे पास लगभग, यदि हम समय पर जाए तो लगभग डेढ़ घंटा है, कि हम अपनी सभायें आरंभ करने जा रहे हैं बीमारों के लिए प्रार्थना और वचन लाने के लिए। इस प्रातः पवित्र वचन में से दो छोटे भाग चुने हैं, बाईबल में से दो स्थान, बोलने के लिए।

परंतु इसके पहले हम बोले, आइए प्रार्थना के लिए एक क्षण हम अपने सिरों को झुकाए।

2 महाअनुग्रहकारी परमेश्वर हम नम्रता पूर्वक आपके अनुग्रह के सिहासन के पास, इस प्रातः आते हैं, अयोग्य बालकों के समान, परन्तु परमेश्वर में बिना मिलावट वाले विश्वास के साथ, जो कि हमें पवित्र आत्मा के द्वारा दिया गया है, और हमारे साथ उसकी सदा की उपस्थिति, और प्रभु यीशु की एक प्रतिज्ञा के द्वारा, कि यदि हम नम्रता पूर्वक आए और उसके नाम में कुछ भी मांगेंगे, तो हमारी याचना प्रदान की जाएगी। इसलिए, हम अपनी योग्यताओं को नहीं देखते, क्योंकि हममें ऐसा कुछ नहीं है, परंतु हम कलवरी की योग्यताओं को देखते हैं, जहां हमारा अनुग्रह हमें परमेश्वर के पुत्र के द्वारा बिना नाम के दिया गया। और हम कठिनाई से अपने आंसुओं को रोक सकते हैं जो हमारे गले से होते हुए, जब हम सोचते हैं कि हम अयोग्य लोग, और कैसे उसके अनुग्रह के द्वारा वहां कलवरी पर उसने यह हमारे लिए किया, ताकि हम परमेश्वर के समीप लाए जा सके, और यहां तक कि सम्बधता तक। और अब हम उसके पुत्र और पुत्रियां है।

3 और हम आज की प्रातः आते हैं, प्रभु स्वयं को इस छोटी सी छत के तले समर्पित करने के लिए, और सेवा, अपने पापों के पापों को मानते हुए और—और दिव्य आराधना में। हम विश्वास करते हैं कि आप हमारे साथ हैं और हमें आपके जल्द आने की अंत: दृष्टि देंगे, जिससे कि हम अपने ह्रदयो को उस महान घटना के लिए प्रतिदिन तैयार करते हैं करते रहे जिसकी राह हजारों वर्षों से देखी जा रही है। सत्यता में सारी सृष्टी अपने छुटकारे के लिए करहा, और चिल्ला रही है। और प्रभु हमारी आत्माएं, हमारे अंदर निरन्तर यह स्वीकार कर रही है, कि, "हम परदेसी और अनजान है और यह हमारा घर नहीं है, परंतु हम ऐसे नगर को खोज रहे है जिसका

बनाने और रचने वाला परमेश्वर है।" हम उस महान आने वाले समय की प्रतीक्षा देख रहे हैं।

4 प्रभु, हम इन सभाओ पर विचार करेंगे, जब हम यहां पर एकत्र होते है, हम आपके बीमार और दुःखी बालकों के लिए प्रार्थना करते हैं। और हम विनती करते हैं कि आज आप हम से विशेष रीति से मिलेंगे, ताकि वह सारी बीमारियां और रोग चंगे हो जाए जो हमारे मध्य में है। और प्रभु होने पाए, कि यह प्रतिज्ञा जिसके लिए मैं अभी पहले बोल रहा था, आपके साथ उस बीते कल की सभा में ठीक दिन निकलने के पश्चात, और कैसे आपने इसकी पुष्टि बार–बार की है। और हम अनुभव करते हैं कि घड़ी बहुत ही समीप है। और होने दे प्रभु, आज वह दिन हो, कि यह घटित हो, कि प्रभु सेवकाई को बदलेंगे उस चीज में जो आपके लोगों के लिए अधिक अनुग्रहकारी हो।

5 और अब, पिता परमेश्वर, हम केवल यहां इनके लिए प्रार्थना करते है, परंतु वे जो समस्त संसार में, आवश्यकता में फैले हुए हैं, दोनों आत्मिक और शारीरिक। ओह प्रभु, उनके ह्रदय की की इच्छा को उन्हें प्रदान करें, क्योंकि तेरे बालक इन दिनों में संघर्ष कर रहे हैं। शत्रु का कार्य इतना मजबूत है, परंतु अधिक बलवान है। क्योंकि यह लिखा है कि, "वह जो तुम में है उससे जो संसार में है अधिक बड़ा है।" इसके द्वारा हम जयवंत होते हैं। अपने लिखित वचन के द्वारा हमसे बातें कर। और जब हम आज प्रातः जाते हैं, होने पाए कि हम उनके सामान कह सके जो इम्माऊस से निकले, "क्या जब वह हमसे मार्ग में बातें करता था तो हमारे ह्रदय उत्तेजना से ना भर गए? " यह हम यीशु के नाम में मांगते हैं, जिसने यह प्रतिज्ञा दी है। आमीन।

6 अब उत्पत्ति की पुस्तक में दो स्थानों में पढ़ता हूं। एक 24 वे अध्याय में पाया जाता है, 56 वे पद से आरम्भ कर के इस प्रकार पढ़ा जाता है।

> *और उसने उन से कहा यहोवा ने जो मेरी यात्रा को सफल किया है, सो तुम मुझे मत रोको; अब मुझे विदा कर दो कि मैं अपने स्वामी के पास जाऊं।*
>
> *और उन्होंने कहा, हम कन्या को बुला कर पूछते है, और देखो कि वह क्या कहती है।*

सो उन्होंने रिबिका को बुलाकर उससे पूछा, क्या तू इस मनुष्य के संग जाएगी? उसने कहा, हां मैं जाऊंगी।

तब उन्होंने अपनी बहन रिबिका उसकी–... *और उनकी बहन, उसकी दाये और इब्राहीम के दास, और उसके साथी सभो को विदा किया,...*

और उन्होंने रिबिका को आशीर्वाद दे के, और कहा, हे हमारी बहन तू हजारों लाखों की आदि माता हो, और तेरा वंश अपने बैरियो के नगरो का अधिकारी हो।

7 और उत्पत्ति 22 में, 15 वां पद हम पढ़ते है।

और फिर यहोवा के दूत ने दूसरी बार स्वर्ग से इब्राहीम को पुकार के,

और कहा, यहोवा कि यह वाणी है कि मैं अपनी ही यह शपथ खाता हूं, कि तू ने जो यह काम किया है कि अपने... पुत्र वरन अपने इकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा:

इस कारण मैं निश्चय तुझे आशीष दूंगा और निश्चय तेरे वंश को... आकाश के, और तारा गण और... समुद्र के तीर की बालू के किनकों के समान अनगिनित करूंगा; और तेरा बीज उसके फाटक का अधिकारी होगा;

और पृथ्वी की सारी जातियां अपने को तेरे वंश के कारण धन्य मानेगी; क्योंकि तूने मेरी बात मानी है।

8 अब प्रभु की आशीषे उसके वचनों के पढ़े जाने पर हो। अब मैं यह लेना चाहता हूं, यदि यह मूल पाठ कहलाये, पहले इस प्रातः मेरा विषय है, "प्रतिज्ञा के फाटकों के सामने प्रशिक्षण।" और विषय है: *शत्रूओ के फाटकों पर अधिकार करना।*

9 परमेश्वर पूर्वजों को परखता रहा, क्योंकि उसने उससे एक प्रतिज्ञा की थी। और जब परमेश्वर प्रतिज्ञा करता है, तो वह इस बात में निश्चित हो जाना चाहता है, कि यह व्यक्ति प्रतिज्ञा के योग्य है, इससे पहले कि वह उसे पूरा करें जो उसने कहा या जो प्रतिज्ञा उसने की है। इसलिए इब्राहीम से यह प्रतिज्ञा की गई थी कि उसके वंश के द्वारा समस्त संसार आशीषित होगा, कि उसके एक पुत्र होगा। और यह पुत्र, उसके द्वारा एक वंश उत्पन्न होगा,

जो समस्त पृथ्वी को आशीषित करेगा। और इब्राहीम जब उससे प्रतिज्ञा की गई, तब वह पचहत्तर वर्ष का था; और साराह उसकी पत्नी पैंसठ वर्ष की थी। परंतु बाईबल हमें बताती है कि इब्राहीम परमेश्वर की प्रतिज्ञा से अविश्वास के कारण, डगमगाया नहीं, परन्तु स्थिर था, परमेश्वर की महिमा कर रहा था। और परमेश्वर ने समय–समय पर उसे परखा, इसके पहले कि आशीष घटित होती वह अंतिम परीक्षा पर आया।

10 और इब्राहीम के सारे वंशों के साथ यही होता है। इसके पहले कि वह प्रतिज्ञा पूरी करें परमेश्वर हमारा अंतिम परीक्षण करता है। और यदि यह संभव था, तो व्यक्तिगत रूप में मैं यहां कुछ कहना चाहता हूं, परंतु मैं इसे रोक लूंगा। वह अंतिम परीक्षा, यह देखने के लिए कि आप इस पर कैसी प्रतिक्रिया करते हैं। और जब उसने इब्राहीम का यह परीक्षण किया, उसने पाया कि इब्राहम वैसे ही सच्चा था जब उसने आरंभ किया था। यह क्या ही आशीष होगी, इस प्रातः यदि हम जो उसकी चंगाई की प्रतिज्ञा को लेते है हम वैसे ही स्थिर रहे जैसे जब हम यहां इसे स्वीकार करते हैं। इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि डॉक्टर ने क्या कहा, वैसे ही सत्य पर स्थिर रहे।

11 और जब उसने यह किया और उसने अपने इकलौते पुत्र को भी ना रख छोड़ा, परंतु इसहाक के सीने में छुरा घोंपने पर था, कि अपने गवाही को नष्ट कर दें। उस जानकार संसार में उसने गवाही दी थी कि उसे वह पुत्र मिलने वाला था। और तब जब पुत्र आया, उससे दुगना मांगा गया, और अपनी एक मात्र आशा को नष्ट कर दे जो कि उसे अपनी गवाही को पूरा होने से मिला था। और जब परमेश्वर ने देखा कि वह विश्वास के प्रति ईमानदार है, जो उसका परमेश्वर, मेरा परमेश्वर में था परमेश्वर ने स्वर्गो से होते हुए देखा और उसने कहा, "मैंने अपनी ही शपथ खाई है कि मैं तुझे आशीषित करूंगा, और तुझे बढाऊंगा और तेज वंश अपने शत्रूओं के फाटक का अधिकारी होगा।" क्या ही प्रतिज्ञा है!

12 और रिबका, जो कि इस विशेष प्रतिज्ञा किए गए आने वाले पुत्र की मां होने वाली थी, जब वह अंतिम परीक्षा के लिए बुलाई गई, अपरिचित मनुष्य जिसको उसने पहले कभी नहीं देखा था, उसने केवल पवित्र आत्मा को कार्य करते हुए देखा था। और जब उसके माता–पिता पूरी तौर से यह निर्णय नहीं ले सके कि वह अपरिचित के साथ जाए या नहीं, उस मनुष्य

की पत्नी होने के लिए जिसे उसने कभी नहीं देखा, वह अंतिम परीक्षा के लिए बुलाई गई। "हम कन्या को बुलाते हैं और वही बोले। हम उसके मुख से सुनेंगे कि वह जायेगी, हां या नहीं।"

13 इसी प्रकार से यह परमेश्वर के सारे वंश के साथ किया गया। यह आपके मुख से होना है। परमेश्वर आप से सुनना चाहता है।

14 इसलिए जब उसकी परीक्षा की गई, वह एक मिनट के लिए भी नहीं झिझकी। वह बोली, "मैं जाऊंगी।" मुझे यह पसंद है। यह नहीं, "कि मैं विचार करूंगी। मैं इसे देख लू।" वह पूर्णतः राजी थी। यह लोग हैं जिन्हें परमेश्वर प्रयोग कर सकता है. जब आप पूर्णतः माने हुए हो कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी करता है। कहा, "मैं जाऊंगी।"

15 और तब उसके लोग इतने अभिषिक्त हुए, संभव है यह नहीं जानते हो, जैसे ही उन्होंने अपने हाथ अपनी बहन पर रखे उन्होंने भविष्यवाणी की और अपनी पुत्री पर; यह सुंदर युवा यहूदी लड़की, और जैसे ही उन्होंने उसे ऊंट पर बैठाया और उसे परदेस में अपरिचित लोगो के मध्य में भेज दिया। परंतु वहां उन पर कुछ था। उन्होंने कहा, "कि तेरा वंश अपने शत्रूओं के फाटक का अधिकारी हो। तू हजारों, लाखों की माता हो।"

16 और आज लोगों की वह जाति और परमेश्वर के लोग समुद्र से समुद्र समस्त संसार में संघर्ष कर रही है। उस पुनरुत्थान में वे आकाश के तारों के समान होंगे, जैसे कि वे चमकती ज्योतियां अपने स्थानो को लेती है, जैसे कि वह पूरे आकाश में है। और जब वे आते हैं वे समुद्रों के समान होगे... याने समुद्र के किनारे के किनको के समान। वहां उनमें वे हजारों लाखों होगे।

17 "तेरा वंश अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" यह परमेश्वर की शपथ प्रतिज्ञा है, "इब्राहीम का वंश।"

तब, उसके पवित्र आत्मा के द्वारा, देखते हुए कि मां भी पुत्र का भाग थी, क्योंकि वे शरीर के भाग थे। तब, पवित्र आत्मा इन लोगों के द्वारा कार्य कर रहा था, कहा, "वह... तेरा वंश शत्रु के फाटक का अधिकारी हो।" तब. परमेश्वर ने शपथ खाई, वह शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा, तब कौन सी स्थिति यह करती है जो जीवित परमेश्वर की कलीसिया वहां लाती है?

18 हम इब्राहीम के वंश है। क्योंकि हमारे मसीह में मर जाने के कारण हम इब्राहीम के वंश के हैं और उसके संग वारिस ठीक उसी प्रतिज्ञा की शपथ के नीचे। हम इब्राहीम के वंश, और प्रत्येक प्रतिज्ञा के वारिस जो उसे दी गई। परंतु जब परीक्षाये आती है, वही हम असफल हो जाते हैं। परन्तु मैं विश्वास नहीं करता कि इब्राहीम का सच्चा वंश असफल हो जाएगा। वे वैसे ही वीरता और ईमानदारी के साथ स्थिर रहेंगे जैसे इब्राहीम ने किया।

19 अब हम देखते हैं कि परमेश्वर कोई बात या—या कोई प्रतिज्ञा नहीं कर सकता जब तक कि वह उसे पूरा ना करें। उसे परमेश्वर होने के लिए उसे पूरा करना है। वर्षों पश्चात जब यही लोग, प्रतिज्ञा किए हुए लोग, इब्राहीम का वंश अपने मार्ग पर, एक—एक प्रतिज्ञा के देश को जा रहा था, वहां फाटक खड़ा हुआ, और उसके विरुद्ध हुआ, और यह उसका अपना भाई था, मोआब, जिसने कहा, "तू मेरे राज्य से पार नहीं होगा। मैं इस बात को देखुंगा कि तू मेरे राज्य के पार नहीं जाएगा।"

20 उसने कहा, "यदि हमारी गाये भी तुम्हारी घास खा लेगी या वे तुम्हारा पानी भी पी लेगी, तो हम उसका दाम चुकायेंगे।"

परंतु उसने कहा, "तुम इस राज्य को पार नहीं करोगे।"

21 परंतु परमेश्वर की प्रतिज्ञा सच्ची रही। इसलिए वे गए और अपने भविष्यवक्ता, बालम को बुला कर ले आए और उसे लोगों को श्राप देने के लिए बुला लाये। और यहां जो उसने कहा। उन्होंने उस आशीषित वंश का खराब भाग उसे दिखाने का यत्न किया, परंतु परमेश्वर ने उसे सबसे अच्छा भाग दिखाया। उसने कहा, "जो इस्राएल को कोसे को कोसे वह श्रापित होगा, और जो आशीष दे वो आशीषित होगा।" और सीमा के बंधन हटा दिए गए और इस्राएल ने उन मैदानों को पार किया। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की कि वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।

22 बाद के वर्षों में, एक दानिय्येल नाम से आया, जो कि इसी राजसी वंश का था, और प्रतिज्ञाओं की पंक्ति में, क्योंकि वह इब्राहीम के वंश का था। और परमेश्वर ने उसे जगत की उत्पत्ति से पहले अपना भविष्यवक्ता होने के लिए चुन लिया, और वह बहादुरी के साथ जीवित रहा और ईमानदारी से जीया। और यहां तक कि परदेस में, उसने अपने हृदय में थामें रखा कि, "मैं स्वयं को उनके साथ दूषित नहीं करूंगा।" यह इब्राहीम का वास्तविक वंश है; एक भिन्न राष्ट्र में रहा, उन भिन्न लोगों के मध्य में रहा, परंतु फिर भी

प्रतिज्ञा के प्रति निर्भय रहा। "मैं स्वयं को उनके साथ दूषित नहीं करूंगा। मैं सच्चा रहूंगा।"

23 परमेश्वर ने उसे भी एक परीक्षण में डाला, जैसे उसने उसके पिता इब्राहीम के साथ किया। और राजा ने कहा, "या तो तुम हमारे समान हो जाओ और जैसे हम आराधना करते हैं वैसे आराधना करो, या फिर मैं तुम्हें भूखे सिंहों की मांद में फिंकवा दूंगा।"

24 दानिय्येल ने अपने पिता के समान कहा, "आप मुझे सिंहों की मांद में फिंकवा सकते है, परंतु मैं तुम्हारी किसी मूरत के सामने सिर को नहीं झुकाऊंगा। मैं तुम्हारा औपचारिक धर्म नहीं लूंगा। मैं यहोवा के प्रति सच्चा रहूंगा।"

25 और तब एक प्रगट होने का समय आया। राजा प्रतिज्ञा स्थिर रहा और उसने भविष्यवक्ता को उठवाया, याने उसे लेकर और सिंह की मांद में फिंकवा दिया। और जब सिंह दानिय्येल के शत्रु भविष्यवक्ता पर झपटे, तो परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की। और उसने अपने शत्रू के फाटक पर अधिकार कर लिया। परमेश्वर ने उन सिंहों के सामने दूत खड़ा कर दिया, और फाटक पर अधिकार कर लिया। परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी करता है। "वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" परमेश्वर ने ऐसा कहा।

26 तब वहां पर तीन और थे जिन्होंने इस कारण शपथ खाई थी, जो वास्तव में इब्राहीम के वंश थे और वे शद्रक, मेशक और अबेदनगो थे, और उन्हें परीक्षा में डाला गया। और उन्होंने कहा, "यदि तुमने वीणा को बजाते सुना और तुरही को और दण्डवत नहीं किया, यदि तुमने हमारे धर्म के सामने सिर नहीं झुकाया और इन चीजों से अलग रहे और तुम खड़े रहे—रहे! जो भी है, तुम सब भावुक हो। तुम्हारा धर्म औरो से अधिक बढ़ नहीं।" क्या हम यह हर समय नहीं सुनते? परंतु ये—ये यीशु मसीह का धर्म भिन्न है। उसके पुनरुत्थान की सामर्थ भिन्न है। हम भिन्न लोग है, विचित्र लोग, एक राजसी याजक पद। परमेश्वर भिन्नता रखता है।

27 परंतु जब उन्होंने कहा, "तुम तुम्हें हम में से एक बनना पड़ेगा।" यह बात शद्रक, मेशक और अबेदनगो के लिए ठीक होती यदि वे उनमें से एक बनना चाहते, परंतु उन्होंने परदेसी के समान कभी भी ना होना चाहा। अब, उन्होंने कहा, "यदि तुम यह नहीं करते हो, तो फिर एक दरवाजा हमारा

भट्टी में खुलता है, हम उसे खोल कर तुम्हें उस में फेंक देंगे, और तुम चाहोगे तो हमसे एक हो जाओगे।"

28 उन्होंने प्रतिज्ञा को स्मरण किया। वे उन्हें धधकती भट्टी के पास ले गए। और जब उन्होंने दरवाजा खोलकर और उन्हें लपटों में फेंका, उनके शत्रु जो उन्हें भस्म कर देते, उन्होंने उनके फाटकों पर अधिकार कर लिया। परमेश्वर ने अपने पुत्र को आग की लपटों में भेज दिया, और हवा को ठंडा कर दिया, और जब वे वहां थे तो उनसे बातें की। परमेश्वर की प्रतिज्ञा सच्ची ठहरी। उन्होंने शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लिया। पहले परखे गए, तब उन्होंने शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लिया।

क्या यह यीशु नहीं था जिसने प्रतिज्ञा की? "यदि तुम किसी इन छोटों के लिए ठोकर का कारण बनो, तो तुम्हारे लिए यह भला होगा कि चक्की का पाट तुम्हारे गले में टांगा जाता और तुम्हें गहरे सागर में डाल दिया जाता। इन छोटे से छोटों के लिए ठोकर का कारण भी ना बनना जो मुझ पर विश्वास करते हैं। और जो मुझ पर विश्वास करते हैं उनके यह चिन्ह होगे।"

29 उसने एक भिन्नता बनाई। उसने यह दर्शाया कि विश्वास क्या करता है और जो विश्वास नहीं करता।

सदा से लोगों में तीन तरह के लोग होते है, वे अविश्वासी बनावटी विश्वासी और विश्वासी। परंतु परमेश्वर के पास एक विधी है कि सिद्ध करें कौन विश्वासी है। यह विश्वासी जो परमेश्वर ने सत्य कहा है उस पर स्थिर रहता है। हां।

30 यह एलिय्याह तिशबी था, जब तक यह बल परीक्षा तक नहीं आया, उसने सोचा समस्त राष्ट्र में केवल वही बचा है जो परमेश्वर के लिए जीवित है। और राजा उस पर मुकदमा चलाने वाला था। और उन्होंने उसे सताया। और वह रंगी पुती रानी जिसका नाम ईजाबेल था, उसने उसे जान से मारने की धमकी दी। और जब बल परीक्षा हुई तो एलिय्याह ने शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लिया और समस्त राष्ट्र को परमेश्वर की ओर फिर से फेर दिया। परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा पूरी करता है।

31 यह मूसा था, जो कि उस राजसी वंश की पंक्ति में था, इब्राहीम का बीज, कि जब उसे मिस्र में भेजा गया कि इस्राएल की संतान को छुड़ाएं; और परमेश्वर ने उसे चिन्ह और चमत्कार करने के लिए दिए, कि पृथ्वी को मारे, और मेढक, कुटकियां और अंधकार और ओले, और वर्षा और

आग लाए और उसने सारे आश्चर्य कर्म किए। तब भी, जब वह उन्हें यहोवा के हाथों के द्वारा बाहर ले गया, तब वहां एक समय आया जब एक फाटक पर आया जो उसके और प्रतिज्ञा के देश में मध्य में था। वहां लाल सागर रास्ते में रुकावट था। वे फिरौन की सेना, पहाड़ों और रेगिस्तान और लाल सागर से घिर गए। परंतु मूसा आगे बढ़ा और उसने अपने शत्रु के फाटक पर अधिकार जमा लिया, और लाल सागर को पार कर दिया, सूखे जूतों के साथ जैसे कि वह धूल भरी सड़क पर चल रहा हो। "वह शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" परमेश्वर ने ऐसा कहा, और यह तय हो गया।

32 कुछ ही वर्षों के पश्चात जब परीक्षायें आयी, और कलीसिया पूर्ण रूप से हिल गयी, ऐसे ही सभा के लोगों के लिए बहुत ही सरल है जब कोई चीज होती हुई प्रतीत ना हो, जैसा कि उसे होना चाहिए। परमेश्वर उसे इसी प्रकार करता है। परमेश्वर कलीसिया में तनाव उत्पन्न करता है, "हर पुत्र जो परमेश्वर के पास आता है, उसे परखा और सिद्ध और परीक्षा में से निकला हुआ होना चाहिए।" वह बीमारी को आप पर प्रहार करने देता है। वह बीमारी को आप पर आने देता है, ताकि आपको परखे और सिद्ध करें, कि संसार को दिखा सके कि आप वास्तव में इब्राहीम की संतान है। वह उसे अपनी इच्छा से अनुमति देता है। वह विपत्ति को अनुमति देता है। वह मित्रों को आपके विरुद्ध होने की अनुमति देता है। वह इन सब चीजों को अनुमति देता है, और शैतान को छूट देता है, कि आपकी परीक्षा करें। वह आपके जीवन को छोड़ सब कुछ करता है। वह आपको पीड़ा से पलंग पर लिटा देता है। वह आपके पड़ोसी को आपके विरुद्ध कर देता है। वह कलीसिया को आपके विरुद्ध कर देता है। वह बहुत सी चीजें कर सकता है, और उसके यह करने के लिए यह परमेश्वर की इच्छा होती है। हमें यह सिखाया गया है कि यह सोने से भी अधिक मूल्यवान है, हमारे लिए।

33 इब्राहीम का इसहाक के साथ क्या था, उस पहाड़ पर, एक प्रतिज्ञा जो दी गई थी? और उसकी ईमानदारी के द्वारा और उसकी जानकारी में होते हुए, और उसका विश्वास यहोवा में, यह केवल उस से और केवल, वह जिसे परमेश्वर ने नीचे की ओर देखकर कहा, "इसका वंश फाटको पर अधिकार करेगा। उसने अपनी शपथ खाकर कहा कि मैं इन चीजों को करूंगा।" शपथ खाने के लिए कोई और बड़ा नहीं था, जिसकी वह शपथ खाता सिवाये अपने को छोड़।

तब यदि इब्राहीम उस अन्तिम बिन्दू तक परखा गया, तो उसे मुझे और आपको उस अन्तिम क्षण के लिए परखना है, उस निर्णय के समय जब हर चीज आप से अलग हो। आपको वहां अकेले खड़ा होना है। हाल्लेलुय्या! यही बात है।

34 अकेले खड़े। वहां से निकलकर और कहते है, "यदपि वह मुझे मार डाले, तौभी मैं उस पर विश्वास करूंगा।" यह इब्राहीम का वंश है। यही है जिनको वह प्रतिज्ञा देता है। "इससे कोई मतलब नहीं वे बाकी सब क्या कहते हैं, बाकी वे क्या करते है; मैं और मेरा घराना परमेश्वर की सेवा करेगा।" यह कहा, "यदि वे बाकी कहते हैं, 'अनुभव के लिए कुछ नहीं है। यह उतावलो का झुंड है'; मैं और मेरा घराना परमेश्वर की सेवा करेंगे।"

और मैं यहां पौलूस को लेना चाहता हूं, और कहता है, "जिस पन्थ को वे 'कुपन्थ' कहते है उसी की रीति पर मैं अपने बाप दादाओं के परमेश्वर की सेवा करता हूं।"

"यदपि वे बकझक करने वाले कलीसिया में आते हैं, यदपि वे तोड़ मरोड़ करने वाले है, और यदपि कि वे सब प्रकार के झूठे भविष्यवक्ता है और हर चीज कलीसिया में लोगों के बीच में आती है, और पड़ोस में और सब कुछ; परंतु मेरे और मेरे घराने के लिए, हम प्रभु की सेवा करेंगे। यदि वे सब आना छोड़ दे, और कलीसिया ठंडी पड़ जाए, उदासीन हो जाए, मैं और मेरा घराना प्रभु की सेवा करेंगे। यदपि किसी के लिए प्रार्थना की गई थी और चंगा नहीं हुआ; उसका इस बात से कोई मतलब नहीं; क्योंकि मैं और मेरा घराना हम प्रभु कि सेवा करते है।" परिक्षाओं और परेशानियों में।

35 मनुष्य अचूक नहीं होते, परंतु परमेश्वर है। मनुष्य, तू अपना भरोसा एक मनुष्य पर रखता है, वह गलती करेगा। हो सकता है जान बूझकर नहीं, परंतु वह करेगा। परमेश्वर उसे ऐसा करने देता है ताकि वह आपके विश्वास को मनुष्य पर से हटा दें। हमारा विश्वास मनुष्य की बुद्धिमानी पर नहीं है परंतु यीशु मसीह की पुनरुत्थान की सामर्थ पर है। इसी पर जहां इब्राहीम का सच्चा वंश अपनी प्रतिज्ञाओं पर निर्भर करता है। क्योंकि वह इब्राहीम के ही वंशज ही हो सकते हैं जब वे पवित्र आत्मा को प्राप्त करते हैं। बिना पवित्र आत्मा के वे इब्राहीम के वंश नहीं है। यह वही विश्वास है जो इब्राहीम के

अंदर था विश्वासी में आता है। इससे कोई मतलब नहीं कि क्या होता है या कितना विरोधात्मक है, विश्वासी आगे बढ़ता जाता है।

36 भेदियो ने वापस आकर और कहा, "ओह, कोशिश करना यह—यह तो मूर्खता है। और आगे जाने कि कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वहां पर लोग ऐसे लंबे चौड़े है। और उनकी सरकारे महान है, और उनके—उनके पास भाले हैं, और, क्यों, हम तो उनके सामने टिड्डी से लगते है।"

37 मैं नहीं जानता, परंतु मैं विश्वास करने के लिए उत्साहित हूं कि यहोशू एक छोटा मामूली नाटा व्यक्ति था, बस एक साधारण छोटा व्यक्ति। मैं उसे एक प्रकार के बाक्से पर—पर कूदते हुए देख सकता हूं, और कहा, "लोगों और भाइयों," बीस लाख लोगों से, "हम उन्हें हराने के लिए योग्य से अधिक है।" समझे? क्यों? वहां इब्राहीम के वंश था। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी है। कि वे उनके अधिकार में है। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी है। इससे अन्तर नहीं पड़ता की विरोध में क्या था, इब्राहीम के सच्चे वंश ने कहा, "हम इसे ले सकते हैं क्योंकि यह परमेश्वर ने हमें दिया है।"

38 इस प्रातः आप यहां खड़े हैं। जीवित परमेश्वर की कलीसिया यहां पर खड़ी है। मैं चिन्ता नहीं करता की कौन क्या कहता है, डॉक्टर क्या कहता है कोई भी, अविश्वासी क्या कहता है, कोई भी चीज जो आती है हम उससे बढ़कर है। हम इब्राहीम के वंश के हैं, और हम अपने शत्रु के फाटक के अधिकारी होगे शत्रु क्या है, इससे कोई अन्तर पड़ता। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा दी है। यह सब उनका है, उनके अधिकार में।

39 चंगाई आपका अधिकार है। उद्धार आपका अधिकार है। पवित्र आत्मा आपका अधिकार है। और आज राष्ट्र में हजारों प्रचारक और इत्यादि है जो कहते हैं, "कि यह ऐसा नहीं है।" परंतु इब्राहीम का वंश जानता है कि यह ऐसे ही है। वे पैदल भीतर चले गए और शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लिया। परमेश्वर ने कहा वे करेंगे। वे इसका विश्वास करते हैं क्योंकि यह प्रतिज्ञा है। "उसका वंश शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लेगा।" अब आप परिक्षाओ और कठनाईयो में से होकर निकलेंगे।

40 और यहोशू वहां पर निष्ठापूर्वक खड़ा हुआ। उस छोटे व्यक्ति ने कहा, "मैं चिंता नहीं करता कि वे कितने बड़े है। मैं चिंता नहीं करता कि उनके पास किस प्रकार के भाले हैं, उनकी शहरपनाह कितनी ऊंची है, और यह कितनी विशाल है। हमारी प्रतिज्ञा यह है कि, 'फाटक परमेश्वर के

बालकों के द्वारा अधिकार में ले लिए जायेंगे।' और हम उन्हें लेने के लिए जा रहे है। हम उन से सामना करने के लिए अधिक बढ़कर है।" ओह, यह सच्चा वंश है।

41 उनमें से बहुत से जो शारीरिक रूप से वंश थे, उन्होंने कहा, "हम यह नहीं कर सकते। क्योंकि आवश्यकता नहीं है कि यत्न किया जाए। देखो, हम संस्था में अधिक है। हम निकाले हुए हैं; हम सब कुछ है।" कोई अंतर नहीं, वह नहीं... वे उसे देख रहे थे... जो आंखों ने देखा। और यहोशू उसे देख रहा था जो परमेश्वर ने कहा।

42 इब्राहीम का वंश किसी भी स्वाभाविक वस्तु को नहीं देखता। वे देखते हैं कि प्रभु ने क्या कहा। यही प्रतिज्ञा है क्या होता। यदि इब्राहीम ने स्वाभाविक को ही देखा होता? उस स्त्री को सौ वर्ष की आयू... वह नब्बे की थी। और वह सौ का था। और जब वह छोटी लड़की थी तब से साथ रह रहा था, और वह एक छोटा लड़का था, और कोई वंश नहीं। उसने इन चीजों पर अपनी दृष्टि नहीं डाली। उसने कहा उसने उन चीजों को ऐसे गिना जैसे की वे थी ही नहीं, क्योंकि उसने केवल वही देखा जो परमेश्वर ने कहा। "मैं तुझे आशीषित करूंगा, इब्राहीम, और और मैं तुझे साराह के द्वारा वंश दूंगा।" और उसने इसका विश्वास किया। आप विरोध की ओर ना देखे। हम वह देखते हैं जो परमेश्वर ने कहा। परमेश्वर ने यह कहा है, बस यह तय हो गया।

43 इसलिए तब जब वह यर्दन पर आया, जब यहोशू सेना का कप्तान बन गया था, और वे वहां आये ठीक पानी के किनारे और उस पार देख सकते थे और येरीहो को देख सकते थे। परंतु उनके मध्य में, जब यहोशू की सेना तैयार थी, तो वहां एक फाटक था। वह फाटक यर्दन कहलाता था।

परंतु परमेश्वर की प्रतिज्ञा हर फाटक पर भली रही। कोई मतलब नहीं कि फाटक क्या था, परमेश्वर की प्रतिज्ञा भली है। "वह अपने शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लेगा।" यह तय हो गया।

उस प्रातः जब वह यर्दन पर आया। सम्भवतः, मैं यह विश्वास करने जा रहा हूं कि शैतान ने चारों और तूफान के बादल छा दिए हो, वह बड़ा कीचड़ वाला पानी भरा हो, खेत बाढ़ के पानी से भरे हुए हो। ओह, क्या ही परीक्षा की घड़ी है! परंतु यहोशू ने कहा, "तैयार हो जाओ, तुम परमेश्वर की महिमा को देखने वाले हो।" और उन्होंने स्वयं को शुद्ध किया और

तैयार हो गए, जब हर चीज विरोधात्मक प्रतीत हो रही थी वे तैयार हो गए। परंतु वह इब्राहीम का वंश था, जिससे परमेश्वर ने शपथ खाई थी, "उसे मैं फाटक दूंगा।" वह यर्दन पर आया, यह उसका फाटक था, और उसने उस पर अधिकार कर लिया।

44 इन्ही किन्ही प्रातःओं में, मैं अंतिम फाटक पर भी आ जाऊंगा। आपको यर्दन पर आना ही है, परंतु इब्राहीम का वंश फाटक का अधिकारी हो जायेगा। कोई अंतर नहीं पड़ता कि यह क्या है, वह हर शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।

45 वह सारे लोग महान थे। वे उसी लीक पर मरे। परंतु अंततः एक दिन यहूदा के बेतलहम में राजसी वंश ने जन्म लिया। बाकी सब जो कि उसकी छाया थे। शाही वंश ने जन्म लिया था, मनुष्य से नहीं। परंतु वह कुंवारी से जन्मा था, अपनी शिराओ की सामर्थ के साथ कि मृत्यु और नरक को जीत ले। परमेश्वर ने एक प्रतिज्ञा की। एक साधारण मनुष्य यह नहीं कर सकता। परंतु यदि परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, तो वह ठीक वही परमेश्वर है जो कुछ मिनट पहले इब्राहीम के साथ था, यहोवा यीरे परमेश्वर फाटक पर अधिकारी करने का उपाय करेगा। हम इसे कैसे करने जा रहे हैं? यहोशू मर गया। मूसा मर गया। बाकी सब मर गए। परंतु परमेश्वर ने कहा, "वह अपने शत्रु के फाटक पर अधिकारी होगा।" वह कैसे मृत्यु पर अधिकार करने जा रहा है? उसके पास इन बातों को करने की विधि है। "वह अपने शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लेगा।"

46 राजसी वंश ने जन्म लिया था। वह हमारे समान हर प्रकार से परखा गया। जैसे आपको परीक्षा में पड़ना था वैसे ही वह था। शैतान ने तुरंत उसे पकड़ा, जब उसने पवित्र आत्मा पाया, जंगल में चालीस दिन और रात परखे जाने के लिए। और जब वह बाहर निकल कर आया... और उसकी मृत्यु पर उन्होंने उसके हाथों में किले ठोकी और उसके मुख पर थूका। वह हर रोग से होकर निकला। परंतु जब वह इस पृथ्वी पर था, तो उसने सिद्ध किया कि वह बीमारियों को जीत सकता है। जब पतरस की पत्नी की मां फालिज से बीमार पड़ गई, उसने उसके हाथ को छुआ और बुखार ने उसे छोड़ दिया। जब कोढ़ी फाटक पर चिल्लाए, "अशुद्ध! अशुद्ध! यदि तू चाहे तो मुझे चंगा कर सकता है।

47 उसने कहा, "मैं चाहता हूं। कि तू चंगा हो जा।" उसने कोढ़ के फाटक पर अधिकार करके उसे जीत लिया। उसने बुखार के फाटक को जीत लिया।

उसने समस्त सृष्टी को अपने आज्ञा के अधीन कर लिया। वह इब्राहीम का राजसी वंश था, एक को प्रतिज्ञा दी गई थी; उसे इब्राहीम को और सारा वंश जो उसके पश्चात था, उस शाही वंश तक, और उसके पश्चात समस्त वंश। परमेश्वर की प्रतिज्ञा सत्य है। उसने बीमारी पर जय प्राप्त की।

उसने परीक्षा पर जय प्राप्त की। जब शत्रु ने उसके मुख पर थूका, उसके जबड़े पर मारा, उसने दूसरी ओर का गाल दे दिया। जब उन्होंने उसकी झटका मारकर उखाड़ दी और उसके मुख पर थूका, उसने कभी भी पलट कर गाली नहीं दी। उसने परीक्षा के फाटक पर जय प्राप्त करके उसे ले लिया।

48 तब आप कहते हैं, "मेरा क्रोध मुझे यह नहीं करने देगा।" तुम इब्राहीम के वंश, जी हां, श्रीमान, उसने इसे आपके लिए जीत लिया।

49 जब उसे गाली दी गई, उसने पलट कर गाली नहीं दी। जब उसका उपहास उड़ाया गया, वह शांत रहा। जब उसे शैतान कहा गया, तो वह शांत रहा। उसका केवल एक ही कार्य था, और वह पिता का कार्य, और वह उसी को ही करता रहा। तब फिर अतत:, वे उसे क्रूस पर ले गए। मृत्यु को उसका सामना करना था। उन बाकी सभो ने समुन्द्रो को जीत लिया, और उन्होंने प्रकृति को जीत लिया, और उन्होंने सिंहों को जीत लिया, और उन्होंने अग्नि को जीत लिया। उन्होंने मृत्यु को छोड़ हर चीज को जीत लिया। परंतु यहां एक उसके मस्तिष्क और नसों पर मार कर रहा था, और उसके पास मृत्यु को जीतने की शक्ति थी। इसलिए उन्होंने उसके हाथों को लेकर फैला दिया और उसे क्रूस पर ठोक दिया। उन्होंने उसे इतना पीटा और उन्होंने उसे यहां तक नंगा किया कि उसकी हड्डियां उसे ताकने लगी। परंतु जब उन्होंने किया और जब वे जो वे कर सकते थे कर चुके मृत्यु ने प्रहार किया, कहा, "अब मैं तुझे ले लूंगी जैसे मैंने यहोशू को लिया। मैं तुझे डेनियल के समान ले लूंगी। और मैं यह सब करूंगी, क्योंकि मैं तुझे मार डालुंगा।"

50 और वह मर गया यहां तक कि सूर्य को स्वयं पर लज्जा आयी। वह मर गया जब तक की प्रकृति को स्वयं पर लज्जा नहीं आई और वह परिचालित

में असफल हो गई। सूर्य दिन के मध्य में छिप गया। सितारे नहीं निकलेंगे। वह मृत हो गया जब तक की वस्तुएं आपके लिए इतनी अंधकार में ना हो गई कि दिन के मध्य में आप अपने सामने वाले हाथ को नहीं देख सके। मैं कल्पना करूंगा कि प्रकृति ने कहा, "मुझे इसके साथ मर जाने दो।"

51 भाई! तब शैतान ने उसके अमूल्य प्राण को नरक के अथाह गड्ढों में भेज दिया। वहां फाटक खुले, परंतु वह उसे जीतकर तीसरे दिन बाहर निकल आया। आमीन। "वंश शत्रु के फाटक पर जयवंत होगा।" मृत्यु को जीत लिया! उसने नरक को जीत लिया। उस पहले ईस्टर की प्रातः उसने कब्र को जीत लिया। अब हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया, जयवन्तो से बढ़कर है।

52 पेंटीकोस्ट के दिन पर उसने पवित्र आत्मा भेजा, अन्यजाति के द्वारा कार्य को निरंतर रखने के लिए, कि प्रतिज्ञा के वंश को निकाल ले। उन निकाले हुओ, अन्यजाति को दें, उन्हें पवित्र आत्मा का बपतिस्मा दें, ताकि उन्हें प्रतिज्ञा में ले आए। अब हमारे पास सारी बीमारियों पर जयवन्त होने का अधिकार है। हमें इसे जीतना नहीं है; यह तो पहले ही जीता हुआ है। हमें केवल प्रतिज्ञा का दावा करना है और जाकर इसे लेना है। यह पहले ही जीता जा चुका है। मृत्यु जीती जा चुकी। नरक जीता जा चुका। बीमारी जीती जा चुकी है। परीक्षा जीती जा चुकी। सारे प्रेत आत्मा जीते जा चुके हैं। अधोलोक जीता हुआ है। मृत्यु जीती हुई है। कब्र जीती हुई है। हम द्वार पर खड़े होते हैं, इसे ले रहे हैं, गोली दागनी नहीं है। इसका भुगतान पहले ही किया जा चुका है।

53 उसका शत्रु, वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा। कितने? हजारों लाखों; वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा, हर शत्रु का। वह मृतकों में से जी उठा। हम इस पर अधिकार रखते हैं क्योंकि वह इसे हमें देता है। यह सब एक मुफ्त का वरदान है, इसके सब के अलावा और हर चीज जो उसने की है, और प्रत्येक फाटक को जीता है। उसने बीमारी को जीतकर फाटक को ले लिया। हमें केवल एक कार्य करना है कि फाटक पर जाये, कहे, "उस जयवंत यीशु मसीह के नाम में!" आमीन।

54 जब वह मरने का समय आया और मृत्यु ने कहा, "मुझे देखो मैं उसका धर्म वापस करवाता हूं।"

55 "यीशु मसीह नासरी के नाम में यर्दन, वापस उल्टी बह!" इब्राहीम के वंश फाटक को ले लेते है।

56 क्यों पौलुस ने कहा, जब उन्होंने पौलुस का सिर काटने को तय कर रहे थे, इब्राहीम का एक वंश, उसने कहा, "मृत्यु तेरा डंक कहां है? कब्र तेरी जय कहां है? परमेश्वर का धन्यवाद हो जिसने हमें यीशु मसीह में हो कर जयवन्त कर दिया।"

57 वह अपने शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लेगा, ले लेगा। अब, वह फाटक पर जीर्ण नहीं होता। वह इस पर विजयी होकर ले लेता है। वह इस पर अधिकार कर लेगा। यह उसकी अपनी सामर्थ के भीतर है।

58 इस प्रातः जीवंत परमेश्वर की कलीसिया में सारी बीमारियो को चंगा करने की सामर्थ है। जीवंत परमेश्वर की कलीसिया में सारी परीक्षाओं पर विजय प्राप्त करने की सामर्थ है। इस प्रातः जीवित परमेश्वर की कलीसिया में पाप को जंजीर से बाँधकर फेंक देने का अधिकार है, और यीशु मसीह की कलीसिया में पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करने का अधिकार है।

"तुम जो भी चाहो, मेरे नाम में मांगो, और यह तुम्हें दे दिया जाएगा। थोड़ी देर में और संसार (जो वंश नहीं है, बिना फूटा हुआ बीज) मुझे और ना देखेगा। तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि जगत के अंत तक, मैं तुम्हारे संग होऊंगा, तुम्हारे अंदर होऊंगा।" क्या? शाही वंश। "जो कार्य मैं करता हूं, तुम भी करोगे। मैं यह प्रमाणित करूंगा कि मैं तुम्हारे साथ हूं, क्योंकि विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।"

वह शत्रु के वंश पर अधिकारी होगा। वह अधिकार कर लेगा। उसका वंश शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा, इससे कोई अंतर नहीं पड़ता कि फाटक क्या है। यदि यह बीमारी, परीक्षाये, पाप, फाटक चाहे जो हो, वह जीता जा चुका है। और इब्राहीम का वंश इस पर अधिकार करता है।

59 क्या इस प्रातः आनंदित नहीं है, यह जानकर कि हम किसी भी जयवन्त से बढ़कर है? जयवन्त से बढ़ कर! ओह, इस विषय में युद्ध करने की कोई आवश्यकता नहीं है। युद्ध तो समाप्त हो गया। सीटी बजाई जा चुकी है। झण्डा चढ़ चुका है। और पाप के झुण्ड के बीच में, हर बीमारी के कमरे के बीच में पुरानी तूफानी क्रूस, गाढ़ी जा चुकी है यीशु मसीह के लहू के द्वारा, एक जयवन्त। हम केवल एक कार्य करते हैं वह है विश्वास, देखो और जीवंत रहो।

"मैं तुम्हारे साथ होऊंगा। मैं सिद्ध करूंगा। अन्तिम दिनों में लोग आते, और कहते है, 'ओह, अच्छा, वह *था*।' परंतु मैं तुम्हारे साथ होऊंगा। और इस पृथ्वी पर मैंने वही चीजें की है मैं तुम्हारे अंदर होऊंगा, उन्हीं बातों को कर रहा हूं। तब वे जानेंगे। वे मुझे देखेंगे। वो... मेरे लोग मुझे देखेंगे। इब्राहीम का वंश मुझे देखेगा। वे मुझे जानेंगे। वे मुझे पहचानेंगे। दूसरे मुझे 'बालजबूब,' कहेंगे जैसा कि उन्होंने किया है। परंतु तुम मुझे जानोगे, क्योंकि मैं तुम्हारे साथ होऊंगा। तुम मुझे अपनी आंखों से देखोगे। तुम मुझे देखोगे, क्योंकि, मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, संसार के अंत तक वही चीजे जो मैं करता हूं। वह जो मुझ पर विश्वास करता है, जो कार्य मैं करता हूं वह भी करेगा, उसी प्रकार के कार्य।"

60 और आज जीवित परमेश्वर की कलीसिया के पास यह सौभाग्य है कि फिर जीवित हो उठे, यीशु मसीह को खड़े हुए जीतते हुए देखे, जीवित परमेश्वर का पुत्र खड़ा होकर उपस्थित है, और अपनी कलीसिया में जीवित रहते हुए, उन्हीं कार्यों को कर रहा है जो उसने तब किए। तब हम प्रत्येक शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लेते हैं।

61 यदि आज प्रातः आपका कोई शत्रु है, तो फिर मेरे भाई केवल एक है, यदि इसके सुनने के पश्चात, यदि आप इब्राहीम के वंश है, तो नरक में इतने प्रेत आत्माये नहीं है जो कि उस फाटक को आपके सामने स्थिर रख सके। यह खुल जायेगा। मैं चिंता नहीं करता कि यह क्या है। आप वहां एक प्रतिज्ञा की सन्तान के समान जाए, कहे, "मैं अपने लिए इसका दावा करता हूं। यह मेरा है क्योंकि परमेश्वर ने शपथ खाई है कि वह यीशु को उठा खड़ा करेगा, और यीशु के द्वारा, मैं इसे जीत लुंगा। मैं उस जयवन्त के नाम यीशु मसीह में आया हूं। पीछे हट जा। मैं यहां से निकल रहा हूं।" आमीन। "वह शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" तब वहां आप अपने कंधों को पीछे कर, और अपनी चमकती ढाल जो प्रभु यीशु के लहू से ढकी है खड़े हो जाए। शत्रु इसे पहचान लेगा।

62 आपको आवश्यकता है, जब हम प्रार्थना करते हैं, उससे बात करें, आप जो यहां भीतर है, इस प्रातः जबकि आपने अपने सिर झुका रखे है। और यदि आपकी आवश्यकता है, तो क्या आप अपने हाथ को यीशु की और उठायेंगे? और केवल अपने ह्रदय के भीतर बोलेंगे, अपने ह्रदय के अंदर और कहे, "प्रभु, आप मेरी आवश्यकता को जानते हैं। अब इस

प्रातः मैंने सुन लिया है, और यह बाईबल है, 'वह अपने शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।' मैं फाटक पर अधिकार करने जा रहा हूं। हो सकता है मेरे में गुस्सा हो। हो सकता है मुझे पवित्र आत्मा की आवश्यकता हो, पाप ने मुझे बांध रखा है। मैं आवश्यकता में हूं। परंतु अब मैं फाटक पर आ रहा हूं। मैं इस पर अधिकार करने जा रहा हूं, इस प्रातः, मेरा फाटक। इसलिए, रास्ता छोड़ दे, मैं आ रहा हूं।"

63 धन्य प्रभु, तूने इन सब हाथों को देखा है। और आप जानते है यह आपका वचन है, प्रभु। मैंने केवल इसका उल्लेख किया है, और इसे पवित्र वचनों में से ले आया हूं। बाईबल के चरित्र, कैसे उन्होंने राज्य अधीन किए और धार्मिकता को गढ़ा, और आग को बुझाया, आग की तीक्षणता को, और तलवार की धार से बच निकले और सिंहों के मुंह बंद किए, और ओह, यहां तक की स्त्रियों ने अपने मरे हुओं को वापस जीवित पाया, और बहुत बातें क्योंकि आपने प्रतिज्ञा की है। यह आपकी प्रतिज्ञा है, "उसका वंश।" "आपका वंश, इब्राहीम शत्रु के फाटक पर अधिकार कर लेगा।" और आप अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करते हैं।

64 अब प्रभु इनके ह्रदय की इच्छा को इन्हें प्रदान करें। होने पाये कि यहां से एक भिन्न लोग होकर जाए। होने पाए ये जाए, यह जानते हुए कि ये—ये लोग जयवंत है, क्योंकि उस शाही वंश ने उनके लिए जीत लिया है। वह शाही राजा जब वह कुंवारी से जन्म लेकर आया उसने हर शत्रु को जीत लिया, यहां तक कि मृत्यु को भी। इसलिए मृत्यु इब्राहीम के वंश को नहीं डरा सकती। हमारे पास प्रतिज्ञा है कि हम पृथ्वी के वारिस होंगे, और महिमा के साथ महिमा युक्त शरीर में फिर वापस आयेंगे, अन्तिम शत्रु को पैर के नीचे लाने के पश्चात, केवल वह और परमेश्वर का अन्तिम बालक जो राज्य में आयेगा।

65 यदि वे वहां अपने हाथ खड़े किए हुए हैं, प्रभु, जो कि पापी है। उन्हें बचा ले वे जो पिछड़ गए हैं, उन्हें मालूम हो जाए कि उन्हें पिछड़ा हुआ नहीं रहना है। वह पिछड़ने के फाटक पर अधिकार कर सकता है। सम्भव हो कोई क्रोध के साथ एक—एक अशिष्ट गन्दी भाषा, या लालसा भरे ह्रदय, या एक लालची वाला पैसों का, या—या कुछ गन्दी चीजें, उन्हें यह ज्ञात होने दे कि वे उस फाटक पर अधिकार कर सकते हैं। प्रभु, सम्भव है यह बीमारी, दुःख हो। वे इस फाटक पर अधिकार कर सकते हैं, "क्योंकि

वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया, हमारे ही अधर्म के कारण कुचला गया। हमारी शान्ति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, और उसके कोड़ो से हम चंगे हो गए।" इस प्रातः हम जयवन्त है। प्रभु, इसे प्रदान करें।

और इस सब को छोड़, जो कार्य उसके द्वारा किए गए, तौभी वह हमारे साथ है। अब भी, उसने प्रतिज्ञा की है, वह इसे करेगा। "थोड़ी देर में और संसार मुझे अब और ना देखेगा तौभी तुम मुझे देखोगे; क्योंकि मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, और तुम्हारे अन्दर होऊंगा, इस जगत के अंत तक।" पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप स्वयं को इस प्रातः प्रत्येक पर प्रकट करेंगे। क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

66 क्या आप इसका सत्य होने का विश्वास करते हैं? दृढ़ता पूर्वक इसका सत्य होने का विश्वास करें, अपने ह्रदय रुपए में सन्देह की एक तरंग भी ना हो। अब केवल यह स्मरण रखें। पवित्र आत्मा का कार्य इतना साधारण है कि यह तेज बुद्धि को भ्रमित कर देता है। जो सबसे साधारण बात है जो कि मैंने कभी... मैंने इसे पवित्र आत्मा को यह करते हुए देख चुका हूं। मैं उन बातों को कहता हूं कि क्यों, मैं इस विषय पर उस प्रकार से नहीं सोचुंगा। यदि मुझे अपनी बुद्धी प्रयोग में लानी पड़े, मैं कहूंगा, "तो भाई यह ठीक नहीं हो सकता है।" परंतु यह सदा ही ठीक है। वह चीजों को सादगी में करता है। और वह अपने लोगों पर स्वयं को जताने के लिए इन चीजों को करता है। परमेश्वर अपने लोगों के साथ है। वह अपने लोगों के मध्य में है। वह उन से प्रेम करता है। और वह उनकी सहायता करने के लिए, उनके लिए करना चाहता है; और केवल उन्हें बताने के लिए, ना कि यह कि वह क्या *करेगा,* परंतु वह क्या कर *चुका* है। वह इसको पहले ही कर चुका है। यह आपका है। यह आप से ही सम्बधित है। यह हमारे परमेश्वर पिता की ओर से मुफ्त वरदान है, अपनी कलीसिया के लिए।

67 अब तेज बुद्धि कैसे इतनी घूमेगी, जैसे कि डेनियेल के दिनों में, और हिब्रू बालकों के दिनों में, और—और बहुत सारे जिनके विषय में हमने आज प्रातः बातें की है। देखिये, वह महान बुद्धिमान संसार उन दिनों में इतना कठोर था कि जयवन्त हो जैसे कि यह अब है। यह सदा से शत्रु का देखने का अपना ही मार्ग है, और उनका आधुनिक विज्ञान और बातें वह ऐसी उलझी थी और बातें तब उन मस्तिष्को के लिए जैसे कि आज हमारे है। देखिए, यह वही बातें थी। परंतु वहां सदा से ऐसे हुए हैं, जो इस पर

स्थिर रहने का साहस रखते हैं, और कहते हैं, "परमेश्वर ठीक है। परमेश्वर का वचन सत्य है।"

68 और आपको जीतना नहीं है, क्योंकि उसने जीत लिया है। आपको केवल एक ही कार्य करना है केवल जाकर ले लो, फाटक पर खड़े होकर कहो, "यह मेरा है। यह मेरा है। परमेश्वर ने यह मुझे दिया है, मेरा उद्धार। यदि मैं पवित्र आत्मा चाहता हूं, तो यह परमेश्वर ने मुझे दिया है। प्रतिज्ञा मुझ से है, हमारे बालको से, वे सब जो दूर–दूर है, जितनो को प्रभु हमारा बुलायेगा।" इसलिए मैं खड़ा होता हूं। केवल...

69 विचारों को परखने आदि कि मेरी यह सेवकाई, अब यह जल्द ही समाप्त हो जायेगी। ओह, यह हमेशा रहेगी। परंतु यह जल्द समाप्त हो जाएगी, क्योंकि यह कुछ अधिक महान होने जा रहा है। समझे? यह आगे बढ़ रही है; हाथ को पकड़ने से लेकर, विचारों को परखने और अब दूसरा होने जा रही है। समझे? इसे देखिए। इस पर ध्यान रखें और जानिए कि यह सत्य है। समझे? मैं जानता हूं कि यह सत्य है। और यह महान ऊंची और अधिक अच्छी होगी। निश्चय ही। क्योंकि उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। और वह जो प्रतिज्ञा करता है, वह उसे करता है। वह अपनी प्रतिज्ञा में असफल नहीं हो सकता। और यह क्या है? उसकी सदा की उपस्थिति हमारे साथ है, कि यह हो आप जान जाये कि वह आपके लिए फाटकों पर अधिकार कर चुका है।

70 वह शाही वंश था। उन फाटकों को कोई भी नहीं ले सकता था सिवाये उसके। वे सब जो पहले वाले थे उसके आगमन के दर्शा रहे थे। परंतु जब वह आया तो उसने समस्त युद्ध को समाप्त कर दिया। संग्राम गतसमनी और कलवरी पर समाप्त हो गया था। अब हम केवल जयवंत के समान खड़े हैं। अब करने के लिए कोई युद्ध नहीं है। हम... संग्राम पूरा हो चुका। हम केवल इसे धारण करते है, इसके लिए संक्षिप्त विलेख। एक लिखित परमेश्वर के द्वारा एक लिखित जिम्मेदारी, हमारा पिता जिसने अपने हाथ उठाकर, कहा, "मैं अपनी ही शपथ खाकर कहता हूं कि उसका वंश शत्रु के फाटक का अधिकारी होगा।" यही है। कि वह इस पर पहले ही अधिकार कर चुका। "वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया *था*। उसके मार खाने से हम चंगे हुए *थे*।" यह पहले ही हो चूका। यह समाप्त हुआ काम है। हम केवल इसका अधिकार लेते है। "और जो कार्य मैं करता हूं, तुम

भी करोगे।" इस प्रातः राजा हमारे साथ है। उसकी महान आशीषे, पवित्र आत्मा हमारे ऊपर मंडरा रहा है। उस महिमामय भावना को अनुभव करने के लिए यह जानकर कि यह ठीक... परमेश्वर के वचन की पंक्ति में है। यह हमें एक आश्चर्यजनक सांत्वना देता है, यह जानकर की—कि परमेश्वर हमारा पिता है।

71 अब मैं विश्वास करता हूं, क्या इस प्रातः उसने—उसने प्रार्थना पत्र बांटे हैं? मैंने उसे बताया था, ठीक है, यदि आराधनालय के लोगों से अधिक नहीं है, अच्छा, कोई प्रार्थना पत्र नहीं देने हैं। परंतु यदि यहां—यहां दस, पंद्रह लोग, या कोई तो, द्वार पर अपरिचित यहां हो, क्यों, प्रार्थना पत्रों को देना, इसलिए हम उन्हें प्रार्थना करने के लिए यहां ला सकते हैं। हमारे साथ इस प्रातः कितने अपरिचित लोग हैं? अपने हाथ उठाएं। ओह, प्रभु! निश्चय ही। वे पंद्रह या बीस है। ठीक है। हम इन प्रार्थना पत्रों को पंक्ति में रखेंगे और उन्हें मंच पर लायेंगे। देखिए, कारण कि मैंने "आराधनालय" के लोगों के विषय में कहा, वे यहां है।

72 यह गुप्त बातों को जानना, स्मरण रखें, मैं यह बोल रहा हूं, गुप्त बातों को जानना जल्द ही समाप्त हो जाएगा, कोई बात बहुत ही महान होगी और बहुत कुछ इससे अच्छा, अभी मार्ग पर है। मैं जानता हूं कि वहां है, अब देखिए आप दो भाइयों को देख रहे हैं, यह कल मेरा साथ खड़ा था, जब यह घटित हुआ, देखिए, और एक दिन पहले जब यह घटित हुआ। अब यह पंक्ति में तीन गुना है, यह घटित हुआ, एक पुष्टि कि यह अब समीप ही है, देखिए, घटित होने के लिए तैयार है।

73 अब, प्रभु, तू परमेश्वर है, और हम तेरे सेवक हैं। हम तेरे वचन, पवित्र आत्मा के लिए धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारे हृदयो को आशीषित किया है। और अब हम आनंदित हैं। हम यहां पर यह जानते हुए बैठे हैं कि हम जयवंत हैं। हमने शत्रु के फाटक पर पहले ही अधिकार कर लिया है। यह हमें दे दिया गया है, और हमारे हाथों पर समस्या के समाधान की कुंजी है। यीशु मसीह का नाम–... शत्रु के प्रत्येक फाटक को खोल देगा। इस कुंजी को ले लो, यीशु मसीह के नाम की कुंजी, और–... प्रत्येक फाटक को खोल दो जिसने आपको किसी भी प्रतिज्ञा के बंधन से अलग कर रखा है।

और, परमेश्वर इस प्रातः हम यीशु के नाम से आते हैं, इस कुंजी के साथ कि रोग, और पीड़ा के फाटकों को खोल दें। क्योंकि यह उसके वचन

में—में लिखा है, "मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकाल देंगे। वे नई–नई भाषाये बोलेंगे। और यदि वे सांपों को उठा ले, या कोई मरणहार वस्तु पी ले, तो उन्हें क्षति ना होगी। वे अपने हाथ बीमार पर रखेंगे और वे चंगे हो जायेंगे।" हम जानते हैं कि हम बातें सत्य है। प्रभु, इस प्रातः यह प्रदान करें कि यह होगी, लोग इसे देखने योग्य होंगे, देहधारी वचन के प्रगटीकरण के द्वारा और हमारे मध्य में वास कर रहा है, कि, "वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया; उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए थे।" वे इसे स्वीकार कर ले और चंगे हो जाये, इस प्रातः अपने सारे रोगों, बीमारियों और परेशानियों से। हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

74 टेडी, क्या आप, *ओनली बिलीव* बजाएगी, यदि आप इसे धीरे–धीरे शांत भाव से बजाएं।

और क्या? क्या आपने एक से आरंभ किया? प्रार्थना पत्र, नंबर एक। एक, दो, तीन, चार पांच, छह, सात, आठ, नौ, दस या वहां जो भी है। ठीक है। क्या आप शांतिपूर्वक, यदि आप उठ सकते हैं, और इस ओर आ जाये।

[कोई कहता है, "आपने कितने बुलाये?"—सम्पा।] हुंह? [कोई कहता है, "यही है।" "यही है।"] लगभग...

हम नंबर एक, दो देखे। नंबर एक प्रार्थना पत्र किसके पास है? [एक भाई कहता है, "मेरे पास है।"—सम्पा।] हां। नंबर दो। ठीक है, श्रीमान। नंबर तीन, नंबर चार, नंबर पांच, नंबर छह, नंबर सात, नंबर आठ, नंबर नौ, नंबर दस।

75 जबकि वे अपने आने के लिए रास्ता बना रहे हैं और खड़े होने के लिए अपना स्थान ले रहे है, तो मैं आप बाकी लोगों से प्रश्न पूछना चाहता हूं। आराधनालय के कितने लोग यहां पर हैं, जो बीमार है? आराधनालय के लोग, अपने हाथ उठाएं। लगभग पांच... चार, पांच, छह, सात, आठ। आठ या नौ हाथ। क्या यहां कोई आराधनालय में है, जो यहां इस समय उपस्थित नहीं है, वे हमारे साथ परिचित हैं यदपि आप आराधना के पश्चात आए हो, और प्रार्थना पत्र ना मिला हो? क्या आप अपना हाथ उठायेगे? कोई जिसे परमेश्वर की आवश्यकता हो, जो कि... जो—जो इस आराधनालय में नहीं आता है। कोई जो इस आराधनालय का सदस्य ना हो और—और आप बीमार हो और प्रार्थना पत्र ना हो, और चाहते हो कि आपको प्रार्थना में

स्मरण किया जाए? क्या आप अपने हाथ उठायेंगे, हर व्यक्ति? ठीक है। यह अच्छा है। ठीक है।

76 अब मैं आपसे कहने जा रहा हूं यदि आप कुछ—कुछ मिनटों के लिए श्रद्धा भाव से रहे जितने रह सकते हैं, तो हम उसे इसे आरंभ करें। अब हम देखें। आपके पास कितना स्थान बचा है, भाई बिली? ठीक है क्या वहां पर नंबर दस है? मैंने एक से दस तक बुलाया है।

ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह अब उन्हें खड़ा होने दे। यदि वे नंबर दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह है, तो उन्हें खड़ा होने दे। ठीक है। एक, दो, तीन, चार, पांच छह, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह। लगभग दो कम है, एक से पंद्रह। (... ? ... सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह।) पंद्रह, सोलह, सत्रह, अठारह, उन्नीस, बीस।

77 ओह एक मिनट रुकिये। मैंने—मैंने उसे बताया कि प्रार्थना पत्र उन्हें दे जो आराधनालय के नहीं है। यह ठीक है। समझे? क्योंकि यह गुप्त विचारों को जांचेगा। लोग कहते है, "ये लोग तो आराधनालय में आते है।" समझे? मैं—मैं आपको बताता हूं। यहां पर कितने है... जो यहां इसके पहले कभी नहीं थे? आपके हाथों को देखुं, कोई भी नहीं है जो इसके पहले मेरी सभाओं में कभी आया हो। ठीक है। ठीक है।

अब ठीक है, अब एक क्षण, भाई टेडी।

78 अब मैं यह कह सकता हूं, कि आप सब ने सुना है, कि सभाएं कि यह कैसे चलती है, क्या आप सब लोग इन सभाओ में थे? देखा? जब हमारा प्रभु यीशु यहां इस पृथ्वी पर था, उसने चंगा करने वाला होने का दावा नहीं किया। वह अब्राहम का वंश था, निश्चय ही, और उसके साथ प्रतिज्ञा थी। उसने कहा, जब तक पिता ही ना दिखाये वह कुछ नहीं करता। क्या यह ठीक है? और उसने कहा, "मैं तब तक कुछ ना कर सकता जब तक पिता ही मुझे ना दिखाये कि क्या करना है।" और उसने द्वारा देखा... ना कि "जब तक पिता मुझे ना *बताये*।" "जब तक पिता मुझे ना *दिखाये*।" संत यूहन्ना 5:19, "जो मैं पिता को करते देखता हूं, पुत्र भी उसी प्रकार करता है।"

79 जब वह—वह आता है, हम पाते हैं, उसकी सेवकाई के आरंभ में, दाऊद की वो—वो गद्दी लेने के पश्चात... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] आत्मिक रूप में बोल रहा हूं...

यूहन्ना के बपतिस्मे पर जब पवित्र आत्मा उस पर आया, और वह अभिषिक्त मसीह हो गया। अब स्मरण रखे जब उसने जन्म लिया, वह परमेश्वर का पुत्र था। वह कुंवारी से जन्मा परमेश्वर का पुत्र था। परन्तु वह मसीह हो गया जब पवित्र आत्मा उस पर आया क्योंकि *मसीह* का अर्थ "अभिषिक्त किया हुआ।" समझे? और जब पवित्र आत्मा उस पर आया वह अभिषिक्त किया हुआ था। आपने मुझे *मेमने और पंडुकी* पर प्रचार करते सुना है। तब हम पाते हैं, जब वह... उसकी परिक्षा के चालीस दिन पश्चात, वह बाहर आया।

80 और कैसे उसकी सेवकाई आरंभ हुई, और कैसे यह समाप्त हुई? हम पाते हैं कि उसकी सेवकाई में इन्दियास नामक एक मनुष्य था, जो गया और अपने भाई शमौन को ढूंढा, एक मछुआरा और उसे यीशु के पास लाया। और यीशु ने उसे बताया, कहा, "तेरा नाम शमौन है। तेरे पिता का नाम योना है। अब से तू *पतरस* कहलायेगा, जिसका अर्थ 'छोटा पत्थर है।'" आपको यह स्मरण है? और यह जो यीशु ने उसे बताया उस पर इतना अचंभित हुआ!

अब क्या मसीह को यह करना था? कितने यह जानते हैं, "आमीन" कहे। उसे परमेश्वर भविष्यवक्ता होना था। जी हां, श्रीमान। मूसा ने कहा, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे समान एक भविष्यवक्ता उठा खड़ा करेगा। और ऐसा होगा जो इस भविष्यवक्ता की नहीं सुनेगा वह लोगों के बीच से नाश किया जाएगा।"

81 अब, बाद में जब हम यह पाते हैं, उसका... "वह उसके अपनों में आया।" वे कौन थे? स्वभाविक यहूदी। "और इसलिए उसके अपनों ने उसे ग्रहण नहीं किया," इसलिए फिर उसे... अब यह अन्यजातियों के पास जाना था, क्योंकि उसके अपनो ने उसे स्वीकार नहीं किया। "परंतु जितनो ने उसे स्वीकार किया उसने उन्हें परमेश्वर के पुत्र होने का अधिकार दिया।" इसलिए अब वह अन्यजातियों की ओर फिर गया, और दो हजार वर्षों से है। परन्तु अब ध्यान दें वह बातें जो उसने करी।

82 तब फिलिपुस, जब उसने यह होते हुए देख लिया, वह गया और नतेएल को ढूंढा, और नतेएल को बताया, उसने किसको पाया और उसने क्या किया। और इससे वह आश्चर्यचकित हो गया था। वह इसका विश्वास नहीं कर सका। परंतु जब वह प्रभु यीशु की उपस्थिति में आया, जहां वह पहुंचा

उसने पाया, उसकी उपस्थिति में आया, यीशु ने कहा, "देखो एक इस्राएली जिसमें कोई दोष नहीं है।"

83 अब, यदि आप वहां खड़े हुए होते तो क्या आप सोचते है, कि आप आत्मिक रूप में इतने पर्याप्त होते हैं कि समझ जाते कि वह कौन था? आप सोचते हैं कि आपने यह दिया होता? अब ध्यान दें। देखा? वह व्यक्ति अपरिचित था–... वहां, वह मछुआरा हो सकता था। वह एक बढई था, क्या वह यह था। यह बढई मनुष्य वहां खड़ा था अधेड़ आयु का मनुष्य। और यहां यह व्यक्ति आता है। वह इसकी और देखता है, ऐसे ही यहां लोगों के समान कहा, "देखो एक इस्राएल जिसमें कोई दोष नहीं है।" भाई वह कैसे जानता था कि वह इस्राएल था? उसके पहनावे से नहीं, क्योंकि वे सब एक सी वेशभूषा पहनते थे। "जिसमें कोई दोष नहीं।" वह कैसे जान गया कि यह एक—एक मनुष्य दोष रहित है?

84 इसलिए इस मनुष्य को आश्चर्यचकित कर दिया। एक वास्तविक विश्वास होने के नाते उसने कहा, "रब्बी," या भाई, प्रचारक, शिक्षक, "तूने मुझे कब देखा? " देखिए, वह उससे प्रश्न कर रहा था।

85 उसने कहा, "इसके पहले कि फिलिपुस तुझे बुलाता तू पेड़ के नीचे था, मैंने तुझे देखा।"

उसने कहा, "तू परमेश्वर का पुत्र है। तू इस्राएल का राजा है।"

86 यीशु ने कहा, "क्योंकि मैंने तुझे यह बताया, तू मेरा विश्वास करता है? अब तू इससे भी बड़ी बड़ी बातें देखेगा।"

87 और यही कारण है मैं विश्वास करता हूं कि जीवित परमेश्वर की कलीसिया इससे भी बड़ी–बड़ी बातें देखने वाली है। अब जल्द यह उसमें प्रवेश करने वाली है, देखा, क्योंकि वे इसका विश्वास कर चुके है। वे जिन्होंने इसे नामधारी पंथ के रुकावटों के कारण अस्वीकार कर दिया है, मुझे सन्देह है कि वे कभी किसी चीज का विश्वास करेंगे भी या नहीं। समझे? चीजे... या तो आप ज्योति में चलेंगे या अंधे हैं। ज्योति से अंधे या नहीं तो मार्ग दिखायेगी।

88 छोटी चिड़ियाये, मैंने स्टेचू ऑफ़ लिबर्टी पर पाया। भाई थोम्स जब आप वहां पर जाते हैं, इसे अवश्य देखें। वे उसमें अपना सिर मारती है। और मैंने कहा, "क्या कारण था? "

89 कहा, "तूफान में बजाये ज्योति का अनुसरण करने के कि सुरक्षित हो, उन्होंने ज्योति को तोड़ने का यत्न किया। उन्होंने स्वयं को मार लिया।"

90 केवल यही बात होती है जब आप ज्योति के विरोध में होते हैं, आप आत्मिक रीति से स्वयं को मार डालते है। आप केवल ज्योति में चले जैसा की वह ज्योति में है, तब हम एक दूसरे के साथ संगति करेंगे, सारी कलीसियाये विश्वास करेगी और आगे बढ़ेगी और परमेश्वर की आशीषो में आनंद करेंगी। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं होगा?

91 उस सामरी स्त्री को देखें, जब वह आती है। वह एक सामरी थी (यहूदी नहीं), एक सामरी। और उसने कहा, "मुझे पानी पिला।" और बातचीत आगे बढ़ी।

अब यह नए आए लोगों के लिए है।

92 और बातचीत आगे बढ़ गई। अब, वह उसे मसीह करके नहीं जानती थी। वह केवल साधारण एक—एक मनुष्य था, एक यहूदी। देखिए पहले उसने कैसे कहा? उसने कहा, "क्यों, तुम यहूदियों की यह रीति नहीं कि एक सामरी स्त्री से इस प्रकार बातें करें।" उसने कहा, "हम लोग एक दूसरे के साथ वयवहार नहीं रखते।"

93 उसने कहा, "परंतु यदि तू जानती कि तू किससे बात कर रही थी, तो तू मुझसे पानी मांगती। और मैं तुझे देता, तुझे पानी देता, तो तुझे यहां लेने नहीं आना होता।"

94 उसने कहा, "क्यों अब एक मिनट।" उसने कहा, "हम इस पहाड़ पर भजन करते हैं, और—और तुम यहूदी यरूशलेम में आराधना करते हो।"

95 यीशु ने कहा, "परंतु वह घड़ी आती है जब—जब तुम ना तो यरूशलेम में ना ही इस पहाड़ पर भजन करोगे, परंतु आत्मा में। क्योंकि परमेश्वर आत्मा है और वे जो उसकी आराधना करते हैं आत्मा और सच्चाई से उसकी आराधना करेंगे।" समझे? देखिए वह बढ़ता गया, तब तक बातें करता रहा जब तक उसने पा नहीं लिया कि उसकी परेशानी कहां थी। क्या, आप जानते हैं कि उसकी परेशानी कहाँ थी? कोई भी जानता था उस कुयें की स्त्री के साथ क्या मामला था? उसके बहुत सारे पति थे, क्या नहीं थे? इसलिए उसने महिला से कहा, "जाकर अपने पति को यहां बुला कर ला।"

उसने कहा, "मेरे पास कोई पति नहीं है।"

96 कहा, "यह ठीक बात है। तेरे पास पांच है, और जिसके साथ तू रह रही है, तेरा नहीं है।"

97 उसने कहा, "श्रीमान!" अब इस पर ध्यान करें। "श्रीमान, मुझे प्रतीत होता है कि तू भविष्यवक्ता है।"

यदि आप पीछे हाशिये पर पढेगे, आप पायेंगे। "श्रीमान," मूल में, "तू, मुझे लगता है कि तू *वह* भविष्यवक्ता है।" स्मरण रखे, बाईबल में यह कहा जाता रहा है, "वह भविष्यवक्ता क्या तू 'वह भविष्यवक्ता है'?" यह कौन सा भविष्यवक्ता था? वह जिसके लिए मूसा ने कहा कि उठ खड़ा होगा।

"मुझे लगता है कि तो भविष्यवक्ता है। अब, हमें सिखाया गया है, और हम जानते हैं जब मसीह आएगा, तो वह यही चीजें करेगा।" यह मसीह का चिन्ह था। क्या यह ठीक बात है? यह जानना कि उसकी क्या परेशानी थी। कहा "हम जानते हैं कि जब मसीह आएगा, तो वह हमें यह बातें बताएगा। परंतु तू कौन है?"

उसने कहा, "मैं वही हूं जिससे तू बोल रही है।"

98 उसने अपना घड़ा छोड़ा, नगर को दौड़ गई, मैं कल्पना करता हूं अपना ह्रदय पकड़े हुए, और कह रही है, अपने हाथ सीने पर रखे हुए उछल रही है कह रही है, "आओ, एक मनुष्य को देखो, जिसने मुझे वे सारी बातें बता दी जो मैंने की है। क्या यह वही मसीह तो नहीं? क्या यह वही तो नहीं जिसके लिए बाईबल ने कहा कि वह आएगा? यह एक यहूदी वहां बैठा हुआ है, एक साधारण सा मनुष्य, बढ़ई के समान दिखाई पड़ा। परंतु उसने मुझे बताया कि मेरे पांच पति थे, और तुम सब यह जानते हो यह सत्य है। इसे ही मसीह होना चाहिए।" क्या यह ठीक बात है?

99 अब, यीशु ने कहा, "थोड़ी देर में, थोड़े से समय में, संसार मुझे अब और ना देखेगा। तौभी तुम मुझे देखोगे, क्योंकि, मैं तुम्हारे साथ होऊंगा, तुम्हारे अंदर होऊंगा। और जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे। उनसे भी अधिक जो मैंने यहां किए, तुम करोगे, क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूं, पवित्र आत्मा के रूप में वापस आता हूं।"

बलिदान कर दिया गया है। शाही वंश मारा गया; शाही वंश फिर से जी उठा। इसके विश्वास करने के द्वारा, अब कलीसिया न्यायोचित हो कर

खड़ी है, और अब शाही इन लोगों में आ सकता है और यहां तक कि संगी वारिस बनाता है, परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां।

100 अब, उन बाकी लोगों के लिए जो इस प्रार्थना पंक्ति में नहीं है, मैंने उसे कहा कि उन लोगों को कार्ड दे दे कि... जब मैं उसे इस प्रातः बुलाता हूं। उसने मुझे बुलाया, कहा, "आप पिताजी वहां जा कर आप प्रार्थना पत्र देना चाहते हैं? "

101 मैंने कहा, "यदि वहां आराधनालय से बाहर के दस लोग है।"

102 अब, कभी–कभी आराधनालय में मैं उन्हें बुलाकर प्रार्थना पत्र देता हूं। आप वापस आए, कहे, "अच्छा, वह उन्हें जानता था। वे आराधनालय के लोग थे। वह उनकी दशा जानता है। निश्चय ही।"

103 तब मैं पलट कर, मैं कहता हूं, "केवल वे जो आराधनालय के बाहर के है। ठीक है। आप जो आराधनालय के नहीं है, आप ही प्रार्थना पंक्ति में आए।"

104 "ओह, हम उन्हें नहीं जानते, " आराधनालय के लोगों ने कहा। "हम नहीं जानते कि उनकी क्या परेशानी है। वह इस विषय में झूठ भी बोल सकता है।" समझे?

105 तब मैं कहता हूं, "कोई नहीं आता। पवित्र आत्मा केवल उन्हें ही चुने जो यहां पर इस आराधनालय से नहीं है, केवल वहां पर बैठे हुए है।" अब भी आप केवल...

106 कोई विधी नहीं है कि मनुष्य को परमेश्वर के पास ले जाया जाए, जब तक कि वह पहले से ठहराया हुआ परमेश्वर का पुत्र ना हो। इसे करने की कोई विधि नहीं है। यीशु ने कहा, "मेरे पास कोई मनुष्य नहीं आ सकता सिवाये कि पिता ही उसे खींच ले।" और यह सत्य है। सब कुछ उसने किया है, परंतु कुछ विपरीत है। "यदि वह इसे *इस* प्रकार करता है, तो इसे *ऐसा* ही होना था। और *इस* प्रकार, इसे फिर से *वैसा* ही होना था।" देखिए, यह केवल अविश्वास है। परंतु बुद्धि अपने बालकों के द्वारा ही उचित ठहराई गई। इसलिए, आप, आप देखिए।

107 अब यहां, मैं इस भक्तगणों की मंडली के लोगों से—से, यह, कहने का यत्न कर रहा हूं, कि यीशु मसीह वह शाही वंश था। यह हम नहीं, यह वह है। हम केवल उसके वारिस है, परंतु सारी चीजें हमारी है। क्या होता यदि

आप वहां उस दिन खड़े होते तब शमौन आया? और आप, कोई नहीं... यह पहली बात जो उसने कभी की।

108 अब, इन लोगों के लिए यह पहली चीज होगी, यदि वह यह करता है। उन्होंने इसे पहले कभी नहीं देखा था।

109 परंतु जब शमौन आया, एक बूढ़ा मछली पकड़ने वाला, इतनी शिक्षा भी नहीं थी कि अपने हस्ताक्षर कागज के टुकड़े पर कर लेता। बाईबल ने कहा वह "अनभिज्ञ और अशिक्षित" था। *और* संयुक्त वाचक। दोनों, "अनभिज्ञ और अशिक्षित।" और तब वह वहां पहुंचा, चिन्ह में, एक शक्ति... यीशु, यीशु ने कहा, "तेरा नाम शमौन है।" आप क्या सोचते हैं उसने क्या सोचा? आप क्या सोचते यदि आप वहां पर खड़े होते? "और तेरे पिता का नाम योना है। और अब से तू पतरस कहलायेगा।" आप क्या—क्या सोचते? क्या वह मनुष्य उसके मस्तिष्क को पढ़ रहा था? अच्छा, तो आप क्या सोचते? क्या आप यह सोचते कि यह मसीह का चिन्ह है?

110 यदि यह एक युग में मसीह का चिन्ह था, तो इसे ही दूसरे, तीसरे, चौथे युग में मसीह का चिन्ह होना है। हर युग में एक सा ही, क्योंकि परमेश्वर बदल नहीं सकता। और कितने जानते हैं कि मसीह परमेश्वर था? निश्चय ही। वह अभिषिक्त था। निश्चय ही। इसलिए वह बदल नहीं सकता। उसे वैसा ही होना है।

111 यही कारण था कि उसे सामरियो को वही गवाही देनी थी जो यहूदियों को दी। क्योंकि लोगों कि तीन राष्ट्रीयता है, हेम, शेम और यापेत के लोग; यहूदी, अन्य जाति और सामरी।

112 अब आप पवित्र आत्मा पर ध्यान दे? कितने जानते हैं कि पतरस के पास राज्य की कुंजियां थी? आपने ध्यान दिया? उसने इसे पेंटीकोस्ट पर यहूदियों के लिए खोल दिया। फिलिपुस ने जाकर समरियो को प्रचार किया, उन्हें यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया, परंतु उन पर अभी तक पवित्र आत्मा ना उतरा था। उन्हें भेजकर और पतरस को बुलाना था, जिसने अपने हाथ उन पर रखें और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया। यह ठीक बात है? और कुरनेलियस का घराना, उन—उन अन्यजातियों ने इसे स्वीकार किया। यही सब कुछ था। उसके बाद से, वह सब के लिए खुल गया। इसलिए आप यहीं पर देखा, उसे इसे खोलना ही था। इन बातों को करने के लिए परमेश्वर की विधी है।

113 अब, इस प्रातः यदि यह जिसने यह प्रतिज्ञा वंश को दी है, और यदि वंश यहां पर बैठा है... मैं विश्वास करना चाहता हूं कि आप में से प्रत्येक है। यदि वंश यहां पर बैठा हुआ है, तो निश्चय ही प्रतिज्ञा को देखेगा। अब, प्रत्येक जो यहां पर खड़ा है, उन्होंने अपने हाथ उठा रखे हैं, वे इसके पहले कभी भी सभा में नहीं थे। वे मेरे लिए अपरिचित है। मैं उनमें से एक को भी नहीं जानता। वे केवल यहां आते हैं। और कुछ मिनटों पहले, बिली ने उन्हें प्रार्थना पत्र दिए हैं, और वे यहां पर खड़े हैं। वहां बाहर बहुत सो ने अपने हाथ उठा रखे हैं, वे जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, और फिर आप यहां पर अपरिचित थे। इससे कोई लेना–देना नहीं है। आप मात्र यह विश्वास करें कि आप प्रतिज्ञा के वारिस है। आप केवल यह विश्वास करें कि उसके कोड़े खाने से आप चंगे हो गए थे। और इसका अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करें और उस ध्यान करें।

114 केवल एक ही बात यह वरदान केवल अपने आपको उसे समर्पित करना है। मैं कुछ नहीं कहता; कहने का कार्य वही करता है। और यदि यह उसका भविष्यवाणी का आत्मा है, भविष्यवक्ता के पास सदा **यहोवा यों कहता है** था। यह सदा ठीक था। और शिक्षा पर प्रश्न नहीं करता, क्योंकि यदि यह परमेश्वर है तो यह बाईबल के साथ उसी लीक पर होगा। परमेश्वर कुछ भी नहीं कह सकता, और तब इस पर वापस जाकर और उसे घुमा दे। सारे समय उसे एक सा ही होना है।

115 अब, आप जो बाहर है विश्वास करते हैं। जो भी आप में है, उस सब से विश्वास करते हैं। अब इधर उधर ना चले फिरे। अब प्रत्येक शान्ति के साथ बैठा रहे।

जितने धीरे और कोमलता से आप कर सकते हैं।

आज प्रातः यह हुआ कि पहला व्यक्ति जो यहां खड़ा है पुरुष है। अब हम इस वचन को लेने जा रहे हैं।

116 अब क्या आप देखते हैं कि मैं कहां खड़ा हुआ हूं? आप में से कितने इसे समझते हैं? यहां पुरुष और महिलाएं खड़ी हुई है, जिन्हें मैंने कभी अपने जीवन में नहीं देखा। वे कभी भी सभा में नहीं थे, और आप देखिए वे कहां खड़े है। वे नहीं जानते है कि क्या घटित होने जा रहा है। मैं नहीं जानता कि क्या घटित होने जा रहा है। परंतु परमेश्वर ने इसकी प्रतिज्ञा की है। अब्राहम को नहीं मालूम था कि क्या होने जा रहा था जब उसने

इसहाक को मारने के लिए छुरा निकाला, परंतु परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की थी। बस यह तय हो गया। उसने उसे जैसे मरे हुए से प्राप्त किया, यह जानते हुए कि वह उसे मृतकों में से जिला उठाने के लिए योग्य है। क्या यह ठीक है? इसलिए यह तय हो गया।

117 अब यहां एक पुरुष मेरे पास खड़ा है, मैंने उसे कभी नहीं देखा, उसके विषय में कुछ नहीं जानता हूं। हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। हम एक दूसरे को नहीं जानते। परमेश्वर हम दोनों को जानता है।

अब उस दिव्य वरदान के द्वारा यदि वरदान के द्वारा कर सकता... अब, ये वरदान आप में उत्पन्न होते है। परमेश्वर ने सृष्टि के रचने से पहले ठहराये है। कितने इस बात को जानते हैं? इसलिए यह कुछ नहीं होगा, जो मेरे पास है, कि मैं वरदान को लू। परमेश्वर ने बस इसे चुन लिया। मैंने इसे कभी नहीं चुना। उसने यह चुना है। समझे? पुराने नियम के भविष्यवक्ताओ के समान, और विभिन्न लोग वे इसे करने के लिए ठहराये गए थे, इसे करने को।

118 अब, यदि यह मनुष्य बीमार है, मैं इसे चंगा नहीं कर सकता। यदि यह मनुष्य आवश्यकता में है, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उसकी क्या आवश्यकता है भले ही मैं इसकी सहायता कर सकूं या नहीं। हो सकता है यदि यह कोई और चीज हो, जैसे की वह... कोई छोटी बात होती तो मैं उसकी सहायता कर सकता, मैं उसे करने के लिए प्रसन्न होता। सम्भव है इनमें क्रोध हो सम्भव है। यह मसीही भी ना हो। सम्भव है कि यह मसीही हो। सम्भव है यह धोखेबाज हो। मैं नहीं जानता। क्या हो यदि यह छुपकर वार करें जो चुपचाप से भीतर आ गए हो, और यहां आकर और अपने को किसी के समान दिखा रहा हो? देखिए क्या घटित होता है बस—बस देखिए कि क्या होता है। मैं नहीं जानता।

119 परंतु देखिए आप यहां खड़े हैं, तो आप सिद्ध रूप से खड़े हो सकते हैं, यह जानते हुए कि परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करता है। समझे? अब, यदि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञा यहां अब बीच में इन लोगों में पूरी करता है; आप में से कितने वहां बाहर बैठने जा रहे हैं, और अपने संपूर्ण ह्रदय से इसका विश्वास करेंगे? अपने संपूर्ण ह्रदय से आप विश्वास करने जा रहे हैं? तो फिर आप मेरा विश्वास करें।

120 अब हम देखें। एक वचन लेते हैं। अब, शमौन पतरस प्रभु यीशु के पास आया। और पहुंचने पर प्रभु यीशु, प्रभु यीशु ने उसे बताया कि वह कौन था, और—और उसके जीवन के विषय में बताया। देखिए, वही यीशु आज जीवित है। वह... क्या आप विश्वास करते हैं कि वह मृतकों में से जीवित हो उठा? क्या आप विश्वास करते हैं कि मसीह का आत्मा आज ठीक यहां कलीसिया में जीवित है, वैसे ही जैसा उसने सदा किया है? ठीक है।

121 अब आप जो श्रोता गणों में जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, इस ओर देख कर और कहे, "प्रभु!" यह ठीक है, कि श्रोतागणों के पास कोई प्रार्थना पत्र नहीं है, मैंने उन सब को यहां खड़ा कर लिया है। आप श्रोतागण के लोग कहे, "प्रभु, आप मुझे छुए।" देखिए क्या होता है। देखिए क्या घटित होता है... ? ...

122 अब, श्रीमान, संसार में आपकी सहायता करने का कोई साधन होता है, तो मैं उसे करता। देखिए, हम यहां एक अपरिचित है, और, मैं—मैं आपसे पहली बार मिलता हूं। परंतु सत्य बताने के लिए, मैं एक सेवक के समान उत्तरदाई हूं, और यीशु मसीह का गवाह होने के लिए। और अब, मैं नहीं चाहता कि आप मुझे कुछ बताएं। मैं केवल चाहता हूं कि आप मुझे उत्तर दें कि यह सत्य है या नहीं, और तब उसे यह करने दे। और यदि वह यह उसी प्रकार से यहां मंच पर पर करेगा इस देह के द्वारा, जो उसने यीशु की देह के द्वारा किया!

वह परमेश्वर मसीह में है। यीशु ने कहा, "मैं तब तक कुछ नहीं करता, जब तक पिता जो मुझ में है, मुझे दिखा दे। वह मुझे बताता है कि क्या करना है।" इसलिए वह यीशु नहीं था जिसने स्त्री को बताया। वह पिता उसमें था, स्त्री को बताया। वह यीशु नहीं था—था जो जानता कि शमौन पतरस कौन था, वह पिता था जो उसमें वास करता था, जानता था कि शमौन पतरस कौन था। यही है। समझे? यही है।

123 मैं आपको बता सकता हूं कि आप मसीही है, जी हां, श्रीमान, क्योंकि आपके पास एक—एक—एक स्वागत की आत्मा है, जोश के साथ कम्पन कर रही है। और, यह, एक विश्वासी है। वो एक मसीही है। और आप नाड़ी तंत्र रोग से पीड़ित है जिससे आपको पेट की खराबी है। क्या यह ठीक है? [भाई कहता है, "यह ठीक बात है।"—सम्पा।] समझे? देखिए? अब, यह सही है। यह कैसे किया? मैंने यह कैसे जाना? संसार में मैं इसे कभी जान

सकता था? हमने एक दूसरे को कभी नहीं देखा। यह सत्य है। कि नहीं? ["यह सत्य है।"] संभव है वह आपके लिए कुछ और बताये। मैं आपको बताऊंगा, यहां पर खुश है। मैं आपके पास एक स्त्री को देखता हूं। वह आपके साथ है। वह आपकी पत्नी है। उसे भी कुछ सहायता की आवश्यकता है। जी हां, श्रीमान। आप विश्वास करते है कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि आपकी पत्नी के साथ क्या परेशानी है? ["मैं जानता हूं वह बता सकता है।"] ठीक है, श्रीमान। उसे ह्रदय की परेशानी है गड़बड़ियां। यह ठीक बात है। क्या नही क्या? अधीर भी है। जी हां, श्रीमान। अब, आप इस नगर से नहीं है। जब आप घर जाते हैं तो *इस* ओर जाते हैं सिनसिनाटी जा रहे हैं। यह ठीक है। आप सिनसिनाटी ओहियो से है। आपका नाम मिलीकेन है। वापस जाए, घर वापस जाए, चंगे हो जाए। प्रभु आपको आशीष देगा आप चंगे हो जाएंगे, आप और आपकी पत्नी। परमेश्वर आपको आशीष दे।

आइए, श्रीमान। आप विश्वास करते हैं? अब केवल विश्वास करें। सन्देह ना करें।

124 अब वास्तव में आदर पूर्ण हो जाए। प्रत्येक वास्तव में श्रद्धा भाव में रहे शांत रहे। देखिए, पवित्र आत्मा इतना संकोची होता है। कितने यह जानते है? बहुत ही संकोची, पवित्र आत्मा, देखिए, एक छोटा सा विघ्न उसे परेशान करता है।

125 डॉक्टरों के अनुसार आपको ह्रदय रोग से मर जाना चाहिए। यह ठीक बात है। आप शिकागो से आए हैं, श्रीमान मोसले। आपका पहला नाम थियोडोर है। आप परमेश्वर पर विश्वास करते हैं? [भाई कहता है, "हां।"—सम्पा।] तो फिर घर जाइए, और यीशु मसीह के नाम में जीवित रहिए, और चंगे रहे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

126 आप परमेश्वर पर विश्वास करते हैं? [बहन कहती है, "निश्चय ही। हां, श्रीमान।"—सम्पा।] आप पैर के रोग से पीड़ित है। आप भी नगर के बाहर से है। आप ओन्सबोरो, केन्टकी से है। आपका नाम श्रीमती लम्ब है। घर वापस जाये और चंगी हो जाए।

127 एक और महिला ठीक यहां ओन्सबोरो से बैठी हुई है। यहां आपकी छाती पर फोड़ा है। आने वाले कल में ऑपरेशन होना है। जाइए, विश्वास करें, और जीवित रहे।

128 क्या श्रीमान आप विश्वास करते है? [भाई कहता है, "हां, मैं करता हूं।"—सम्पा।] हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। आपका नाम श्री गिलमोर है। यह ठीक बात है। आप एंडरसन इंडियाना से आए हैं, जहां ग्रेट चर्च ऑफ गॉड का अभियान है। यह ठीक बात है। आप यहां अपनी आंशिका पीड़ित पुत्री के लिए खड़े हैं। वह आंशिका रूप से लकवा ग्रस्त हैं। आप विश्वास करते हैं? तो फिर घर जाए और अपने विश्वास के अनुसार पाए। ठीक है। परमेश्वर आपको आशीष दे। विश्वास कीजिए। विश्वास।

129 श्रीमान आप अपने संपूर्ण ह्रदय से विश्वास करते हैं? [भाई कहता है, "हां, श्रीमान।"—सम्पा।] आप इंडियाना पोलिस से है। आप सुसमाचार के सेवक है। वह आपकी पत्नी है। ओह। वह भी रोगी है। उसकी घांटी में, ग्रास नली में, परेशानी है ग्रास नली में। डॉक्टर... ह्रदय रोग है; थोड़ी सी अधीर। वह अपने कान से बहरी है। क्या... इधर आइए।

तू बहरी आत्मा, यीशु मसीह के नाम में, मैं जीवित परमेश्वर के द्वारा अभियुक्त ठहराता हूं, महिला में से बाहर आ जा।

अब आप मुझे ठीक से सुन सकती है। आप दोनों घर जा सकते हैं और चंगे हो। अपने घर वापस जाये। आप मुझे सुनती है, और आप चंगी है। आप चंगे हो जायेंगे।

130 आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? केवल परमेश्वर में विश्वास रखें। विश्वास।

131 वह पुराना जोड़ों का दर्द और खराब भयानक चीजें। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आप को चंगा करेगा? तब फिर तो यहां से निकल कर नीचे चल कर जाये। घर जाये, उसके नाम की महिमा करें, कहते रहे, "धन्यवाद, प्यारे प्रभु यीशु मसीह।"

कारण कि मैंने इतनी जल्द पकड़ा, इस महिला को वही चीज थी, जोड़ों का दर्द।

आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? [भाई कहता है, "हां।"—सम्पा।] ठीक है, श्रीमान। तो फिर सीधे नीचे चलते चले जाए वहां पर, और कहे, "धन्यवाद आपको प्रभु यीशु," और घर जाए।

132 ठीक है, बहन बस मुडिये और वापस जाये और विश्वास करें। आपके घुटने जकड़े हुए, यहां पर है, और आपका ह्रदय रोग, और आदि–आदि।

बस घूमिये और कहती हुई घर वापस जाये, "धन्यवाद, प्रभु यीशु," और चंगी हो जाये। आपके अंदर जो भी हैं उस सब से विश्वास करें।

133 आप विश्वास करते हैं? आप कुछ लोग जो बाहर हैं, उनका क्या है, आप विश्वास करते हैं?

134 काले सिर वाली छोटी महिला वहां बैठी है उसे मिर्गी रोग है, आप विश्वास करती है कि परमेश्वर आपको चंगा कर देगा? आप स्वीकार करती है? ठीक है। यदि आप करेगी, वह इसे करेगा।

135 यहां एक पास में एक प्रचारक बैठा है, परमेश्वर के समीप चलना चाहता है। क्या आप नहीं चाहते, श्रीमान? आप विश्वास करें परमेश्वर आपके लिए यह करेगा? अपना हाथ उठाये और कहे, "मैं इसे स्वीकार करता हूं।" ओह।

136 यह महिला यहां बैठी हुई है उसने हाथ नीचे कर लिए। उसे आत्मिक परेशानी है वह इसके विषय में सोच रही है। यह ठीक बात है।

137 यहां एक महिला है, आश्चर्य में क्या उसे बालक हो सकता है। यह ठीक बात है। आप मेरी किसी सभा में थी। मैंने आपसे प्रतिज्ञा की है, परमेश्वर के द्वारा, एक बालक। क्या मैंने नहीं की? ठीक है। तो फिर घर जाए और इसे ले ले। अब इस विषय में अधिक चिंता ना करें।

138 क्या आप अपने पूर्ण हृदय से विश्वास करते हैं, आप सब? आप में से प्रत्येक विश्वास करता है? अब्राहम का वंश फाटक का अधिकारी होगा, शत्रु के फाटक का। क्या आप अब्राहम के वंश है, यीशु मसीह के द्वारा? अपने हाथ खड़े करें यदि आप है।

तो फिर अपने हाथ अपने पड़ोसी पर रखे, अपने बराबर वाले पर, एक दूसरे पर। अपने हाथों को एक दूसरे पर रखे। फाटक के अधिकारी हो जाए। यह आपका है। यह आपका ही है। "विश्वास की प्रार्थना रोगी को बचा लेगी। परमेश्वर उन्हें उठा कर खड़ा करेगा।" ठीक है अपने ही तरीके से प्रार्थना करें। उसी तरह प्रार्थना करें जिसे आप अपनी कलीसिया में करते हैं। जो लोग आपके साथ हैं अब उनके साथ प्रार्थना करें। अपने हाथों को एक दूसरे पर रखें और प्रार्थना करें।

139 प्रभु यीशु हम उस शाही वंश के महान सामर्थी नाम में आते हैं, अब्राहम का वंश, जिसने उससे पहाड़ पर प्रतिज्ञा की जहां आपने एक मेमना दिया;

और मेमने को जंगल में रखा, एक भेद पूर्ण बात, वैसे ही जैसे आपने कल उन गिलहरियों को किया।

ओह प्रभु परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप सामर्थ भेजेंगे, एक विश्वास। और प्रत्येक वंश... मैं जानता हूं कि वे करेंगे, प्रभु क्योंकि तूने कहा, "अब्राहम का वंश।" और यदि कुछ यहां है जो वंश होने को दिखावा कर रहे हैं, और वंश नहीं है, यहां उनके विचार को क्षमा करें, या दिखावे को। और होने दे पवित्र आत्मा उनके प्राण को जीवित विश्वास से प्रज्वलित कर दें। प्रत्येक ह्रदय में पवित्र आत्मा शासन करने पाये और यहां सब को चंगा करें। उन्होंने अपने हाथ एक–दूसरे पर रख रखे है।

शाही वंश ने कहा, "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, वे चंगे हो जाएंगे।" और जिसने यह प्रतिज्ञा की है इस समय यहां उपस्थित है स्वयं को दर्शा रहा है कि वह यहां है। यहां वह वंश एक दूसरे के ऊपर हाथ रखे हुए है। "विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे।" पवित्र आत्मा उनके प्रत्येक के हाथों से उमड़ पड़े, लोगों के ह्रदयो उनके शरीरो मे, और जो दिव्य उपस्थिति में है प्रत्येक चंगा हो जाए। परमेश्वर इसे प्रदान करें।

मैं शैतान को डांटता हूं। मैं सारे अविश्वास को डांटता हूं। मैं हर झूठी आत्मा को डांटता हूं। मैं हर स्वांग को डांटता हूं। मैं हर उस बात को जो परमेश्वर के वचन के विरोध में है डांटता हूं। पवित्र आत्मा लोगों के ह्रदय में अपना स्थान ले, विश्वास में होते हुए इसी समय। होने पाए हर बीमारी और हर रोग, हर पीड़ा लोगों को छोड़ दे, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

140 अब अब्राहम का वंश, आप शाही वंश क्रम के आप प्रतिज्ञा के अनुग्रह, और परमेश्वर के सहायता के द्वारा, आप में से कितने अपने हाथ उठा सकते हैं, कहे, "जो मैंने मांगा वह मैं पा चुका हूं"? धन्यवाद। यही है। इसी के लिए प्रतिज्ञा है। इसलिए प्रतिज्ञा दी गई है, ताकि आप यीशु मसीह के द्वारा, सब चीजों के वारिस हो सकते है। जिसने आपको पाप से बचाया है। उसने आपको बीमारी से बचाया है। उसने आपको मृत्यु से बचाया है। उसने आपको नरक से बचाया है। उसने आपको कब्र से बचाया है।

141 आप कहते है, "भाई ब्रंहम, परंतु हम सब कब्र में जाते हैं।" परंतु कब्र हमें पकड़े नहीं रह सकती। वह इसमें भी गया, परंतु यह उसे रोके नहीं रह सकी। निश्चय ही। यह उसे रोके ना सकी।

142 "अच्छा भाई ब्रंहम मैं इतना परीक्षा में हो गया था।" वह भी हो गया था। परंतु उसने आपको परीक्षा से बचाया।

143 "हमें परीक्षा में ना जाने दे, परंतु हमें बुराई से बचा।" देखिए, उसने यह कर दिया। यह सब आपका है। यीशु मसीह के द्वारा, सब कुछ आपका है। वह सब कुछ आपको मुफ्त में देता है। इसका कोई भुगतान नहीं करना नहीं, कुछ भी नहीं। यह इसी समय आपका है। अब क्या आप इस बात से प्रसन्न नहीं है? क्या आप उसके लिए आनंदित नहीं? परमेश्वर को धन्यवाद।

144 अब आज रात को सभाये होगी। हां। आज रात्रि साढ़े–सात बजे रात्रि में। मैं पास्टर को आपको बताने दूंगा। आईये। आईये।

अब, अगले रविवार प्रातः अच्छे प्रभु ने चाहा, तो आराधनालय में, मैं बीमारों के लिए प्रार्थना करने हेतु वापस आऊंगा, या जहां कहीं भी।

शत्रुओ के फाटकों पर अधिकार करना HIN59-1108

(Possessing The Enemy's Gates)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 8 नवंबर, 1959 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org